उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध समाचार पत्र

www.tvindialive.in

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष–17
अंक–51
पृष्ठ–12
मूल्य दो रूपया
बांदा, रविवार 01 नवम्बर, 2026
RNI No.: UPHIN2008/32664

गरीबी घटाने में जुटी मोदी सरकार, अराजकता फैलाने में लगी कांग्रेस : सुधांशु त्रिवेदी



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश से गरीबी दूर करने और लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए काम कर रही है, जबकि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सत्ता की राजनीति और अराजकता फैलाने में जुटी है। उन्होंने विश्व बैंक की 2025 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 27.6 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई है। भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि देश में अराजकता फैलाने में नाकाम रहने के बाद कांग्रेस अपने नेता राहुल गांधी को खुश करने के लिए मॉक पार्लियामेंट का राजनीतिक तमाशा कर रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर कांग्रेस काल्पनिक राजनीतिक मुद्दों में उलझी है, वहीं दूसरी ओर विश्व बैंक की रिपोर्ट भारत में गरीबी कम करने की दिशा में हुई प्रगति को सामने रखती है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 13–14 वर्ष पहले भारत की 57 प्रतिशत आबादी की दैनिक आय दो डॉलर से कम थी। अब भारतीय मुद्रा के हिसाब से प्रतिदिन 400 रुपये से कम कमाने वाली आबादी लगभग 16 प्रतिशत रह गई है। उनके मुताबिक, इसका अर्थ है कि देश की 84 प्रतिशत आबादी प्रतिदिन 400 रुपये से अधिक कमाती है। उन्होंने इसे गरीबी उन्मूलन की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के प्रत्येक व्यक्ति का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अगस्त 2025 में जारी गिनी इंडेक्स का भी उल्लेख किया और कहा कि इसमें भारत का स्कोर 22.5 रहा था। उनके अनुसार, इस आधार पर भारत आर्थिक समानता के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल रहा।डॉ. त्रिवेदी ने राहुल गांधी के पुराने बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अगस्त 2013 में गरीबी को केवल मानसिकता बताया था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के उस कथन का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि पैसे पेड़ों पर नहीं उगते।

अकाली सरकार बनी तो उद्योगों को पांच रुपये यूनिट देंगे बिजली : सुखबीर बादल



फिरोजपुर, एजेंसी। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने घोषणा की है कि पंजाब में अकाली दल की सरकार बनने पर उद्योगों को 5 रुपये प्रति यूनिट बिजली मिलेगी। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पटियाला में व्यापारियों और उद्योगपतियों के साथ बैठकें कीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 10 से 12 रुपये प्रति यूनिट की उच्च बिजली दरों से कारोबार चलाना मुश्किल है। अगली अकाली दल सरकार कारोबारियों को अपने सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की अनुमति देगी। इससे बिजली की दरें घटकर 1.50 रुपये प्रति यूनिट हो जाएंगी। एक नया बिल्ड पंजाब विभाग बनाया जाएगा। यह विभाग बिल्डरों को एक महीने के भीतर सभी अनुमतियां जारी करने के लिए उत्तरदायी होगा।

दायित्वधारी सोना सजवाण ने की सीएम से की शिष्टाचार भेंट



नई टिहरी, एजेंसी। जड़ीबूड़ी सलाहकार परिषद की उपाध्यक्ष व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें प्रतापनगर विधानसभा की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। सीएम धामी ने समस्याएं हल करने का आश्वासन दिया। सीएम ने बताया कि प्रतापनगर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कई योजनाएं सरकार संचालित करने जा रही है। खासकर एडीबी सहायतित रिंग रोड़ द्वितीय चरण का कार्य प्रतापनगर विधानसभा के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

दायित्वधारी सोना सजवाण ने सीएम धामी से मुलाकात कर उन्हें प्रतापनगर की समस्याओं से रूबरू कराया। सीएम ने बताया कि क्षेत्र में सड़क, पेयजल, और सिंचाई की कई योजनाओं का सरकार ने स्वीकृति दी है। सजवाण ने सीएम का आभार जताया कि सरकार ने डोबरा से चांठी और मोटणा से मदननेगी मोटर मार्ग के सुधारीकरण और पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति दी है। वहीं लंबगांव बाइपास मार्ग बनने से भी यहां जाम की स्थिति में सुधार आएगा। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सजवाण ने जल जीवन मिशन के तहत स्थानीय ठेकेदारों का लंबे समय से भुगतान नहीं हुआ है। जिस पर सीएम ने कहा कि इस बाबत केंद्र सरकार से भी वार्ता की जाएगी। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी सजवाण ने सीएम को कई सुझाव दिए।

रिश्वतखोरी के मामले में तत्कालीन जेई को चार साल की सजा

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा में फरीदाबाद की अदालत ने रिश्वतखोरी के मामले में नगर निगम के तत्कालीन जूनियर इंजीनियर (जेई) टेकचन्द को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवीएसीबी) की प्रभावी जांच और पैरवी के चलते यह फैसला आया है। मामला मई 2019 का है। शिकायतकर्ता ने फरीदाबाद के सेक्टर–8 में पुरानी पानी की टंकी तोड़ने का ठेका लिया था। काम का बिल तैयार करवाने के लिए एमबी (मेजरमेंट बुक) पूरी करना जरूरी था।

गन्ना मूल्य में 15 रुपये की वृद्धि को किसानों ने बताया नाकाफी

यमुनानगर, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने गन्ने के मूल्य में की गई 15 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को नाकाफी बताते हुए किसान संगठनों ने विरोध आरम्भ कर दिया है। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी गुट) से सम्बन्धित किसानों ने रादौर में प्रदर्शन कर कृषि मंत्री के आवास के समीप मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का पुतला फूंक कर अपना रोष व्यक्त किया।

महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश का आसार

पुणे, एजेंसी। अक्टूबर का महीना समाप्त होने के बावजूद महाराष्ट्र में मौसम का मिजाज अप्रत्याशित बना हुआ है। राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश के आसार है, जबकि कई जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, कुछ इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और छिटपुट बारिश के आसार हैं, वहीं दिन के तापमान में धीरे–धीरे बढ़ोतरी हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक पुणे, सतारा, सांगली और कोल्हापुर जिलों में अलग–अलग स्थानों पर गरज–चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए प्रचार समाप्त

विजयवाड़ा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश में शहरी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रचार पांच बजे समाप्त हो गया। चुनाव एक नवंबर को होने हैं और वोटों की गिनती तीन नवंबर को होगी। सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं में मुकाबला सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के बीच होगा। कुल 17 नगर पालिका अध्यक्षों को सर्वसम्मति से चुना गया है जिनमें से 15 तेलुगु देशम पार्टी के खाते में गए हैं जबकि जन सेना और भाजपा को एक–एक सीट मिली है।



अब छेड़खानी मामले में दोषी को तीन साल की सजा



टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। मटौंध थाना क्षेत्र में किशोरी के साथ छेड़खानी और दुष्कर्म करने वाले एक ही आरोपी को अब दूसरे मामले में भी सजा सुनाई गई है।

विशेष न्यायालय पॉक्सो के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मिश्रा ने छेड़खानी के मामले में दोषी परसू को तीन साल के कारावास और तीन हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

इससे पहले इसी पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में भी उसे सजा हो चुकी है। वहीं, छेड़खानी के मामले में नामजद तीन अन्य आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया।अभियोजन के अनुसार, मटौंध थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने 12 जुलाई 2019 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि चार लोगों परसू, सुनील, महेश्वरवा और मतवा ने घर में घुसकर उसकी 15 वर्षीय बेटी के साथ छेड़खानी की थी। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर 31 जुलाई 2019 को आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया था।

सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने परसू को दोषी माना, जबकि सुनील, महेश्वरवा और मतवा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। अभियोजन के अनुसार इसी किशोरी के साथ छेड़खानी के बाद दुष्कर्म करने के मामले में परसू को पहले ही सजा सुनाई जा चुकी है।

वर्तमान में वह हाईकोर्ट से जमानत पर था। अब छेड़खानी के मामले में सुनाई गई सजा के तहत जुर्माना अदा नहीं करने पर उसका सजायाफ्ता वारंट जारी कर जेल भेजा जाएगा।

चक्रवात के चक्कर में किसान बने घनचक्कर

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। बेमौसम बारिश और तेज हवा ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। 18 घंटे से बारिश से खेतों में खड़ी धान की फसल गिर गई है, वहीं कटी पड़ी फसल भीग गई है। कई खेतों में पानी भरने से बालियों के सड़ने का खतरा है।

ज्वार और अरहर की फसल को भी नुकसान की आशंका है। किसानों का कहना है कि चक्रवात के चक्कर में वह घनचक्कर बन गए हैं।

जिले में करीब 50 हजार हेक्टेयर में धान की खेती होती है। इस समय फसल पककर तैयार है। कई क्षेत्रों में कटाई शुरू हो चुकी है, जबकि कुछ जगह किसान कटाई की तैयारी में थे।

ऐसे में चली तेज हवाओं और रात से लगातार हो रही बूंदाबांदी ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नरैनी तहसील के पिपरा गांव के मजरा नरसिंहपुर में तेज हवा और बारिश से ज्वार की फसल खेतों में बिछ गई। किसान रामस्वरूप, महरू, राजकुमार, लल्लू और रोहित ने बताया कि फसल तैयार होने के कगार पर थी, लेकिन मौसम बिगड़ने से काफी हिस्सा जमीन पर गिर गया।

करतल और नहरी न्याय पंचायतों की 14 ग्राम पंचायतों और 24 मजरों में भी फसलों को नुकसान पहुंचा है। किसानों के मुताबिक धान की फसल में पहले से गेरुआ रोग का प्रकोप है। अब बारिश से बालियां खराब होने की आशंका बढ़ गई है।

अतर्रा तहसील के महोतरा



गांव में किसान माताप्रसाद तिवारी की दस बीघा धान की फसल में आधे बीघे का काला नमक धान गिरकर खराब हो रहा है। किसान राजू की एक बीघा और अधरोरी निवासी योगेंद्र कुशवाहा की करीब पांच बीघा धान की फसल प्रभावित हुई है।

अर्नब तूफान का असर, ग्रामीण इलाकों तक जनजीवन प्रभावित

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। खराब मौसम और अर्नब तूफान के असर से शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक जनजीवन प्रभावित हो गया। शुरू हुई बारिश और तेज हवाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं।

मौसम के बिगड़े मिजाज का सबसे अधिक असर बिजली आपूर्ति पर पड़ा। शहर के कई मोहल्लों से लेकर गांवों तक बिजली कटौती का सिलसिला जारी रहा।

इस दौरान कहीं फॉल्ट तो कहीं एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद किए जाने से लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ा। तेज हवा और बारिश के चलते बिजली के तारों तथा खंभों पर असर पड़ने की आशंका के बीच बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई।

1.22 लाख किसानों को पीएम-किसान 24वीं किस्त

टी0आई0एल0 संवाददाता

चित्रकूट। जिले के 1.22 लाख किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त पहुंच गई। करीब 24.58 करोड़ की धनराशि ट्रांसफर की गई, जिसमें प्रत्येक किसान को 2,000 रुपये मिले। नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से 9.34 करोड़ किसानों के खातों में 18,680 करोड़ रुपये भेजे। इस दौरान उन्होंने 521 कृषि इकाइयों का लोकार्पण और 12 हॉर्टिकल्चर क्लस्टर्स का शुभारंभ भी किया। चित्रकूट में कलक्ट्रेट सभागार में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। चित्रकूट–बांदा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल मुख्य अतिथि



व पहाड़ी ब्लॉक प्रमुख सुशील द्विवेदी विशिष्ट अतिथि रहे।

मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि पीएम किसान योजना से छोटे किसानों को ताकत मिली है।

परशुराम की दहाड़ से छाया सन्नाटा



टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। श्री राठ रामलीला सांस्कृतिक समिति के तत्वाधान में नगर में रामलीला महोत्सव चल रहा है। रात धनुष यज्ञ, सीता स्वयंवर व परशुराम लक्ष्मण संवाद का मंचन हुआ। परशुराम बने कलाकार की दहाड़ से रामलीला पंडाल में सन्नाटा पसर गया।

राजा जनक ने माता सीता का स्वयंवर आयोजित किया। स्वयंवर में आए प्रतापी राजा शिव धनुष को हिला भी नहीं सके। ऋषि का आदेश पाकर श्रीराम ने जैसे ही धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाई वह जोरदार आवाज के साथ टूट गया। धनुष भंग होते ही समूचे पंडाल में जय श्रीराम का उद्घोष गूंज उठा। तभी क्रोधाग्नि से दहकते हुए परशुराम का प्रवेश होता है। आते ही उनकी दहाड़ से पूरे कथा पंडाल में सन्नाटा फैल गया। देर रात तक चले परशुराम व लक्ष्मण संवाद ने जनता को बांधे रखा। रामलीला मंचन के दौरान समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाशचंद्र अग्रवाल, मंत्री सुरेश खेवरिया, रमेश मिश्रा, कृष्ण गोपाल सुरौठिया, ख्यालीराम कोष्टा, रमेशचंद्र सराफ, बसंत नगायच, ओमप्रकाश द्विवेदी, महेश सोनी आदि रहे।

मानिकपुर सीएचसी में हंगामा, 51 संविदा कर्मियों का मानदेय कटने पर ओपीडी ठप

टी0आई0एल0 संवाददाता

चित्रकूट। जिले के मानिकपुर सीएचसी में तानाशाही का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ा। 51 संविदा कर्मियों का मानदेय काटने से खफा कर्मचारियों ने हड़ताल कर ओपीडी में ताला लगा दिया। अस्पताल में इलाज के लिए आई महिलाएं बेंच पर बैठी इंतजार करती रहीं। एक महिला की हालत बिगड़ी, तो परिजन उसे ई–रिक्शा में बैठाकर प्राइवेट अस्पताल ले गए।

एएनएम सुमन सिंह, अंजू देवी, आरती गुप्ता और लक्ष्मी ने बताया कि सीएचसी में 51 संविदा कर्मी हैं। प्रभारी चिकित्साधिकारी मनोज सोनकर ने बिना नोटिस, बिना कारण सभी का अक्टूबर माह का मानदेय काटने की रिपोर्ट सीएमओ को भेज दी। जब हम पूछने गए, तो गाली देकर भगा दिया। कर्मचारियों ने बताया कि इसके पीछे बीपीएम का हाथ है।बीपीएम आए दिन मनमानी करता है और प्रभारी के साथ मिलकर संविदा कर्मियों को डराता है। कर्मचारियों के हड़ताल पर जाते ही दोपहर 12 बजे से ओपीडी बंद हो गई और मरीजों को बिना इलाज के लौटना पड़ा। जानकारी पाकर एसीएमओ मौके पर पहुंचे, लेकिन प्रदर्शनकारी अधीक्षक को हटाने की मांग पर अड़े रहे। दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है।

रिमझिम बारिश से सात डिग्री लुढ़का पारा, किसानों की चिंता बढ़ी

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। पिछले दो दिनों से अर्नब चक्रवात का असर जनपद सहित ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। दिनभर रुक–रुककर हुई चार एमएम बारिश से जहां तापमान में गिरावट आई है, वहीं मौसम में ठंड बढ़ गई है। तापमान सामान्य से सात डिग्री नीचे पहुंच गया। लोगों को गर्म कपड़े निकालने पड़े। ऐसे में किसान जहां खरीफ फसलों को समेटने में जुटे हैं, वहीं रबी फसलों की बुआई प्रभावित होने की आशंका सता रही है।

जिले में अर्नब चक्रवात ने अपना असर दिखाया है। हल्की बूंदाबांदी हुई, वहीं सुबह से काले घने बदलों ने डेरा जमा लिया। 15 से 20 किमी प्रति घंटे से ठंडी हवाएं चलने से ठंड बढ़ गई। सुबह 10 बजे से ही रिमझिम बारिश का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर चलता रहा।

मौसम में आए बदलाव से अधिकतम पारा सात डिग्री लुढ़ककर 23.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया और न्यूनतम 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आज को छह एमएम बारिश होने की संभावना जताई गई है।

DOLBY INFOTAINMENT
Where brands become Legends
Cricket Advertising
TV & Radio Advertising
Multiplex Advertising
Outdoor Advertising
Social Media Advertising
Transit Media Advertising
INDIA'S LEADING ADVERTISING AGENCY
Call us: 0522-4010 844 | 7985907267 | 8318924761
Website: dolbyinfotainment.com | Email: dolbyinfotainment@gmail.com

सामान्य ज्ञान स्पर्धा में प्राची ने मारी बाजी



टी0आई0एल0 संवाददाता

अमेठी। राजकीय हाईस्कूल सवितापुर में विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए रंगोली, भाषण और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें छात्र–छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। तीनों प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

रंगोली प्रतियोगिता में नीलम ने प्रथम, सोनिया ने द्वितीय और ईशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में धर्मेश प्रथम, राखी द्वितीय और सोनिया तृतीय स्थान पर रहीं। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्राची ने पहला, आसिफ ने दूसरा और शिवम ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिताओं के साथ ही शिक्षकों ने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन का महत्व बताया।

उन्हें नियमित अध्ययन, सामान्य ज्ञान बढ़ाने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बारे में जानकारी दी। शिक्षकों ने कहा कि पढ़ाई के लिए समय निध ार्रित करने और नियमित अभ्यास करने से बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। अंत में प्रध ानाचार्य एकता त्रिपाठी ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

हेलीकॉप्टर से बरसाए फूल, कलश के लिए महिलाओं में होड़

टी0आई0एल0 संवाददाता

उन्नाव। गौरी गांव में सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का कलश यात्रा के बाद शुभारंभ हुआ। सुबह बीघापुर नगर पंचायत स्थित बाबा गोदावलेश्वर महादेव मंदिर से कथा स्थल तक कलश यात्रा निकाली गई। बारिश और मौसम की दुश्वारियों पर आस्था भारी पड़ी और शोभायात्रा में हजारों महिला–पुरुष शामिल हुए। श्री शिवाय नमस्तुभ्यं के उद्घोष और डमरू व शंखनाद से वातावरण शिवमय हो गया।

बाबा गोदावलेश्वर धाम में पूजन–अर्चन के बाद कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। उत्साह ऐसा कि पीत वस्त्र धारण किए हजारों महिला–पुरुषों के पहुंचने का सिलसिला सुबह पांच बजे से ही शुरू हो गया। नर सेवा नारायण सेवा संस्थापक विमल द्विवेदी ने कलश यात्रा की व्यवस्था संभाली। अनुमान से कई गुना



अधिक लोगों के पहुंचने से कलश लेने की होड़ लग गई।

कथा आयोजक व मुख्य यजमान अरुण सिंह ने पत्नी शिखा सिंह के साथ कलश यात्रा निकाली। करीब ढाई किलोमीटर लंबी कलश यात्रा के रास्ते में लोगों ने घरों से पुष्प वर्षा की। हाईवे से कथा स्थल तक हेलिकॉप्टर से भी पुष्प वर्षा की गई। खराब मौसम के बाद भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं पड़ा। सदर विधायक पंकज गुप्ता, आशीष बाजपेई अटल, योगेश बाजपेई, बैजनाथ सिंह, अखिल गुप्ता, मुन्ना सिंह सभासद, पप्पू अग्निहोत्री, गोविंद नारायण शुक्ला, अजय बाजपेई, मनीष सिंह सेंगर, विजय त्रिपाठी, अन्नू मिश्रा, बीना अग्निहोत्री, विनय पांडेय समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग शामिल रहे।

यूपी के लोग गुंडे माफियाओं को कभी नहीं स्वीकारेंगे : ब्रजेश पाठक



टी0आई0एल0 संवाददाता

मल्लावां, हरदोई। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दावा किया कि विधान परिषद चुनाव में भाजपा ने अपनी सीटें बरकरार रखी हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में तीसरी बार प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनने का दावा भी उप मुख्यमंत्री ने किया।

पैतृक नगर में आयोजित दंगल का शुभारंभ करने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव के बयान, एमएलसी चुनाव में भाजपा ऑलआउट हो गई है को लेकर किए गए सवाल पर डिप्टी सीएम ने कहा कि सपा सच्चाई से मुंह मोड़ रही है। सपा दिन में सपने न देखे। कहा कि यूपी के लोग कभी भी गुंडे माफियाओं को स्वीकार नहीं करेंगे। जब–जब सपा आई है तब–तब कानून व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। आज उत्तर प्रदेश संसाधनों से लेकर कानून व्यवस्था तक में अव्वल है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की गरीब कल्याण योजनाओं और यूपी की कानून व्यवस्था की बदौलत 2027 के चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलेगा। मेडिकल कॉलेज की अव्यवस्थाओं पर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा कि धीरे–धीरे व्यवस्थाएं सही हो जाएंगी।

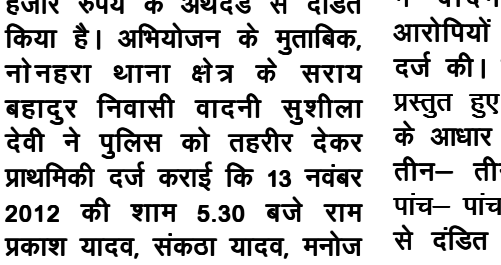
उद्घाटन से पहले बदहाल हो गया बस स्टेशन

टी0आई0एल0 संवाददाता

रायबरेली। बछरावां अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आठ करोड़ रुपये की लागत से बछरावां रेलवे स्टेशन का कायाकल्प कराया गया है। निर्माण कार्य पूरा हुए चार माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक औपचारिक उद्घाटन नहीं हुआ है।

इसके बावजूद स्टेशन पर अव्यवस्थाएं सामने आने लगी हैं।

पीईटी अभ्यर्थियों की भीड़ से थमी शहर की रफ्तार, सड़कों से स्टेशन तक जाम



टी0आई0एल0 संवाददाता

फतेहपुर। पीईटी के चलते शहर में अभ्यर्थियों की भारी भीड़ उमड़ने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई। सुबह से ही परीक्षा केंद्रों की ओर जाने वाले रास्तों पर अभ्यर्थियों और उनके परिजन की आवाजाही बढ़ गई। इसके चलते शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ी। परीक्षा समाप्त होने के बाद भी भीड़ बढ़ने से यातायात का दबाव बना रहा।

वर्मा चौराहा, पटेल नगर, राधा नगर चौराहे और स्टेशन रोड के आसपास वाहनों की अधिक आवाजाही के कारण लोगों को धीमी रफ्तार से गुजरना पड़ा। कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। सबसे ज्यादा दिक्कत उन लोगों को हुई, जिन्हें बाजार, कार्यालय या अन्य जरूरी कामों से जाना था।

वहीं रेलवे स्टेशन पर भी पीईटी अभ्यर्थियों की भारी भीड़ रही। ट्रेनों से आने और परीक्षा देकर लौटने वाले अभ्यर्थियों की आवाजाही बढ़ने से प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में भीड़ का दबाव बना रहा। ट्रेनों में सीट पाने के लिए अभ्यर्थियों को मशक्कत करनी पड़ी। बस अड्डों पर भी यात्रियों की संख्या बढ़ी रही। पीईटी के चलते शहर की सड़कों से लेकर रेलवे स्टेशन तक दिनभर चहल–पहल बनी रही। प्रशासन के सामने यातायात और भीड़ को नियंत्रित करना चुनौती बना रहा।

Call:0522-6537101, 9839919728
e-mail:info@tvindialive.com
tvindialive.til@gmail.com
web:www.tvindialive.in
www.tvindialive.com
www.tilexpress.in
TIL Express
WEEKLY HINDI NEWSPAPER
Contact for: News Bureau,
News Reporter & Marketing Agency
Off: Sector C-1, C-25, LDA Colony, Kanpur Road , Lucknow. 226012 (U.P.)

मारपीट के मामले में चार दोषी करार, तीन–तीन वर्ष की सजा

टी0आई0एल0 संवाददाता

गाजीपुर। नोनहरा थाना क्षेत्र सराय बहादुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक महिला को पुरानी रंजिश में मारने– पीटने के मामले में एडीजे तृतीय श्वेता वर्मा की अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया। न्यायालय ने चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए तीन– तीन वर्ष की सजा सुनाने के साथ ही पांच– पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन के मुताबिक, नोनहरा थाना क्षेत्र के सराय बहादुर निवासी वादनी सुशीला देवी ने पुलिस को तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराई कि 13 नवंबर 2012 की शाम 5.30 बजे राम प्रकाश यादव, संकठा यादव, मनोज यादव और संजय यादव पुरानी रंजिश को लेकर गाली– गलौज करने लगे। जब वादनी ने गाली– गलौज का विरोध किया तो चारों आरोपी मारने– पीटने लगे।

आसपास और पड़ोस के लोगों ने आकर बीच– बचाव किया। आरोपियों के मारने– पीटने से वादनी को काफी चोट आई। साथ ही आरोपियों ने पीड़िता को जान माल की भी धमकी दी। पुलिस ने वादनी की तहरीर चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। न्यायालय में पांच गवाह प्रस्तुत हुए। न्यायालय ने गुणदोष के आधार पर चारों आरोपियों को तीन– तीन वर्ष की सजा और पांच– पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

सम्पादकीय

वामपंथियों के शिकंजे में जकड़ी कांग्रेस

देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी वामपंथ के साथ समाजवाद से भी प्रभावित थे, लेकिन उन्होंने कांग्रेस पार्टी की छवि मध्यमार्गीय दल की बनाए रखी और इसी कारण सभी वर्गों के बीच उसका जनाधार था। इंदिरा गांधी ने भी मध्यमार्ग पर ही चलना पसंद किया। यह बात और है कि एक समय सत्ता बचाए रखने के लिए उन्होंने वामपंथियों का साथ लिया। इसके बदले में उन्होंने शिक्षा एवं अकादमिक संस्थान वामपंथियों के हवाले कर दिए, लेकिन वे जानती थीं कि कांग्रेस की शक्ति मध्यमार्गीय दल बने रहने में ही है। इंदिरा जी के बाद राजीव गांधी ने भी कांग्रेस को मध्यमार्ग में ही रखने की कोशिश की, पर उनके कुछ करीबी वामपंथी भी थे।

नरसिंह राव को अपनी अल्पमत सरकार चलाए रखने के लिए वाम दलों का साथ लेना पड़ा, लेकिन वे उनके प्रभाव–दबाव में नहीं आए और इसी कारण देश का कायाकल्प करने वाले आर्थिक सुधार लागू कर पाए। मनमोहन सिंह को भी वाम दलों का सहयोग लेना पड़ा, लेकिन वे एक सीमा से अधिक उनके दबाव में नहीं आए। उन्होंने अमेरिका से परमाणु समझौते पर वाम दलों के विरोध की परवाह नहीं की।

हालांकि इसी दौर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की श्सुपर सरकारश कही जाने वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में वामपंथियों का बोलबाला था। इस परिषद में ज्यां द्रेज, हर्ष मंदर, अरुणा राय जैसे वामपंथी रुझान वाले शामिल थे और उनके प्रभाव में मनमोहन सरकार की कई नीतियां भी बनीं। जब घोषित और अघोषित रूप से कांग्रेस की कमान राहुल गांधी के हाथों में आई तो प्रारंभ में उनके करीबी कांग्रेस के दूसरी पीढ़ी के युवा नेता थे, लेकिन एक–एक करके वे उनका साथ छोड़ गए। इनका स्थान लेना शुरू किया वाम विचार वाले नेताओं ने।

अन्ना आंदोलन के समय जिन धुर वामपंथी प्रशांत भूषण ने आंदोलनजीवी के रूप में उभरे योगेंद्र यादव के साथ मिलकर कांग्रेस की ईंट से ईंट बजाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, वे आज राहुल के प्रमुख सहयोगियों में से हैं। इन्हीं योगेंद्र यादव ने एक बार कहा था कि कांग्रेस को मर जाना चाहिए। हाल के वर्षों में राहुल के आसपास वामपंथी विचार वाले नेताओं की जुटान भी बढ़ी है और कांग्रेस में उनका प्रभाव भी।

वामपंथी छात्र नेता कन्हैया कुमार को कांग्रेस में आए लंबा समय हो गया है, लेकिन फिलहाल वे हाशिए पर दिखते हैं। उनकी जगह नई एंट्री नेहा बोरा की होती दिख रही है। बीते दिनों राहुल ने वोट चोरी के अपने शिगूफे के तहत जो धरना–प्रदर्शन किए, उसमें नेहा की खासी भूमिका रही। नेहा ने काकरोच जनता पार्टी के धरना–प्रदर्शन में भी बढ़–चढ़कर भाग लिया। राहुल वाम रुझान वाले इस समूह को भी करीब लाने जा रहे हैं। राहुल ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में नेहा और प्रशांत भूषण को बोलने का खास तौर पर अवसर दिया। इससे यही लगा कि उन्हें अपने छात्र संगठन के नेताओं पर उतना भरोसा नहीं, जितना वामपंथी छात्र नेता नेहा पर है। कन्हैया भाकपा के छात्र संगठन के नेता थे तो नेहा वामपंथी छात्र संगठन आइसा की अध्यक्ष हैं। यह संगठन भाकपा (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) लिबरेशन से जुड़ा हुआ है। वामपंथ की यह धारा नक्सलबाड़ी के हिंसक संघर्ष से निकली मानी जाती है। इस दल ने हिंसक माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के अभियानों को रोके जाने की मांग की थी और आइसा ने तो बाटला हाउस एनकाउंटर में मारे गए आतंकियों के लिए न्याय की मांग करते हुए जुलूस निकाला था। आपको यह याद ही होगा कि एक बार सलमान खुर्शीद ने कहा था कि उन्होंने जब बाटला हाउस में मारे गए युवकों के फोटो सोनिया जी को दिखाए तो उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। भाकपा–माले लिबरेशन बिहार में कांग्रेस का सहयोगी और आइएनडीआइए का भी घटक है। इस तथ्य से अवगत होना भी आवश्यक है कि अन्य देशों की तरह भारत में भी इस्लामिस्टों और कम्युनिस्टों में जुगलबंदी है। इस जुगलबंदी के कई चेहरे भी राहुल के करीबियों में शामिल हो गए हैं। वामपंथी रुझान और सोच वाले नेता कांग्रेस में पहले भी रहे हैं, पर यह पहली बार है, जब उनकी अधिकता देखी जा रही है और इनमें धुर वामपंथी किस्म के लोग भी हैं।

समस्या यह नहीं कि राहुल गांधी के करीबियों में घोर वामपंथी भी हैं। समस्या यह है कि उनके भाषणों, नीतियों और कार्यशैली में इन धुर वामपंथियों की छाप गहरी होती जा रही है। राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में ऐसे कट्टर वामपंथियों से भी मिलने लगे हैं। वे अपने धरना–प्रदर्शन और रैलियों में घटक दलों और वामपंथी छात्र संगठनों के सहयोग से भीड़ तो जुटा सकते हैं, पर कांग्रेस का जनाधार शायद ही बढ़ा पाएं। उनके निशाने पर केवल अंबानी–अदाणी ही नहीं रहते। वे सरकारी कंपनियों के निजीकरण के भी कट्टर विरोधी हो गए हैं, जबकि राव और मनमोहन सरकार की आर्थिक नीतियों में सरकारी कंपनियों का विनिवेश भी शामिल था।वामपंथियों की तरह अपनी नाकाम रीति–नीति पर अड़ने वाले राहुल ऐसी बातें भी भूल चुके हैं कि इंदिरा जी ने सावरकर के सम्मान में डाक टिकट जारी किया था।

स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए एक और चुनौती

–रमेश सर्राफ



मोदी सरकार के 12 वर्षों में भारत में प्रेस की आजादी काफी ज्यादा खतरे में पड़ चुकी है। कार्पोरेट पूंजी ने स्वतंत्र पत्रकारिता पर कई तरह की बेड़ियां लगा ही दी हैं, ऊपर से सरकार के रवैये ने भी निर्भीक, स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता को काफी नुकसान पहुंचाया है। सरकार ने निजता की सुरक्षा के नाम पर जो डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण का कानून बनाया है, वह भी अब पत्रकारिता की राह में बड़ा रोड़ा बन रहा है। इस बाधा को दूर करने के लिए डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। डीएनपीए की याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि डीएनपीए के माध्यम से 21 समाचार प्रकाशकों ने कानून के प्रावधानों को चुनौती दी है। जिनमें वे मीडिया संस्थान भी शामिल हैं, जिनके मालिकाना हक गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के पास हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने डीएनपीए की याचिका पर सुनवाई की और केंद्र सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है। अदालत ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 17 नवंबर की तारीख दी है। हालांकि केंद्र सरकार को नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने कानून को असंवैधानिक घोषित कर दिया है। कानून की वैधता और उसके प्रावधानों पर अंतिम निर्णय होना बाकी है और यहीं सारा पेंच फंसा हुआ है। क्योंकि अगर अदालत का फैसला कानून निरस्त करने या इसमें प्रावधानों में संशोधनों वाला हुआ, तब तो खोजी पत्रकारिता के लिए उम्मीद बची रहेगी। वर्ना फिर बड़े घोटालों की पोल खोलने वाली खबरें बनाने का जोखिम भरा काम शायद ही हो पाए। ध्यान रहे कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 भारत का पहला व्यापक डेटा संरक्षण कानून है, जिसे 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली थी। इस कानून का मकसद नागरिकों के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा को सुनिश्चित करना तथा डेटा के वैध उपयोग के बीच संतुलन बनाना। केंद्र सरकार ने इससे संबंधित डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025, पिछले साल 14 नवंबर को अधिसूचित किए हैं। नियमों का उल्लंघन करने या डेटा सुरक्षा में चूक होने पर डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड तकनीकी विकास के इस वक्त में डेटा लीक होने और व्यक्तिगत जानकारियां गलत हाथों में पड़ने के खतरे वाकई बहुत बढ़ चुके हैं। इस लिहाज से निजता की सुरक्षा के प्रावधान करने में कोई हर्ज नहीं है। लेकिन इसकी आड़ में गलत बातों पर पर्दा डालने और उन खबरों को बाहर आने से रोकने की चालाकी हो, तो फिर सवाल उठने जायज हैं।

मीडिया संगठनों का कहना है कि इस कानून के प्रावधान खोजी पत्रकारिता को बाधित कर सकते हैं, सूचना पाने के मौलिक अधिकार को प्रभावित कर सकते हैं और पत्रकारों के गोपनीय सूत्रों की पहचान उजागर होने का खतरा पैदा कर सकते हैं। मीडिया संगठनों की चिंता है कि व्यक्तिगत डिजिटल डेटा की सुरक्षा के लिए बनाए गए नियम यदि पत्रकारिता पर भी उसी तरह लागू होते हैं, तो भ्रष्टाचार, कॉरपोरेट अनियमितताओं, चुनावी गड़बड़ियों और सरकारी कामकाज की जांच करना मुश्किल हो सकता है। डीएनपीए की दलील है कि कानून के नोटिस और सहमति से जुड़े प्रावधानों को पत्रकारिता पर लागू करने से ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जिसमें किसी व्यक्ति के बारे में उसकी निजी जानकारी जुटाने या उसकी गतिविधियों की जांच करने से पहले पत्रकारों को उसे सूचना देनी पड़े या उसकी सहमति लेनी पड़े। इसे आसान शब्दों में ऐसे समझ सकते हैं कि अगर किसी व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं या कोई खोजी पत्रकार किसी के भ्रष्ट कामों का पता लगा भी ले, तो भी उसे उजागर करने से पहले उसे संबंधित व्यक्ति को ही सूचना देनी होगी। और जाहिर है कि उसके बाद वह उस खबर को शायद ही सामने ला पाए, क्योंकि फिर उस खोजी पत्रकार पर व्यक्तिगत डेटा मिटाने के अधिकार का इस्तेमाल खबर को दबाने या उनमें बदलाव कराने की मांग के लिए किया जा सकता है।

मीडिया समूहों की आपत्ति का मूल सवाल यह है कि व्यक्तिगत निजता की रक्षा और स्वतंत्र पत्रकारिता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उनका कहना है कि निजता की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन ऐसे नियमों से पत्रकारों की जनहित में जानकारी जुटाने और प्रकाशित करने की क्षमता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। रिपोर्टों के मुताबिक, मीडिया कंपनियों के प्रतिनिधियों और सरकार के बीच अगस्त में हुई बैठक में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा को लेकर आश्वासन दिया गया था। लेकिन डीएनपीए का कहना है कि पत्रकारों के लिए कानून में स्पष्ट लिखित छूट नहीं होने से उसकी चिंताएं दूर नहीं हुई हैं। एसोसिएशन ने इस मुद्दे को केवल तकनीकी या डेटा प्रबंधन से जुड़ा विवाद नहीं माना है। उसके मुताबिक, कानून के कुछ प्रावधानों का असर यह हो सकता है कि समाचार संस्थान जनहित से जुड़े मामलों की जांच और रिपोर्टिंग करते समय कानूनी कार्रवाई या आर्थिक दंड के जोखिम से बचने के लिए जरूरी खबरें प्रकाशित करने से पीछे हटें। समाचार सदस्यता बहरहाल, अब गेंद सुप्रीम कोर्ट के पाले में है।



युवाओं, महिलाओं और नए मतदाताओं के बीच पहुंच बढ़ाएंगी भाजपा

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आगामी विधान सभा चुनाव 2027 से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विशेषकर युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों और नए मतदाताओं के बीच पहुंच बढ़ाएंगी। इन वर्गों के बीच पकड़ मजबूत करने के लिए पार्टी कुछ विशेष कार्यक्रम व अभियान शुरू करेगी। इन कार्यक्रमों की रूपरेखा क्या होगी इसके लिए पार्टी पदाधिकारियों ने बैठक में चर्चा की। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में प्रदेश भाजपा मुख्यालय में बैठक चल रही है। बैठक में भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी जगदीश पटेल, भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा, मेधा कुलकर्णी एवं अनंत ओझा के अलावा सभी प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी उपस्थित हैं।

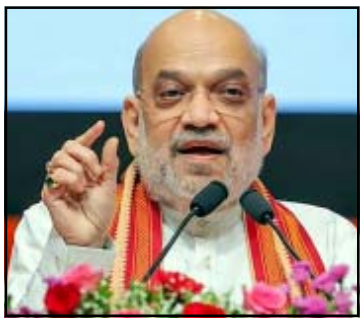
भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आलोक वर्मा ने बताया कि आगामी दो महीने में युवा और महिला मतदाताओं को जोड़ने के लिए बूथस्तर पर छोटी–छोटी बैठकें की जाएंगी। युवाओं को जोड़ने के लिए पार्टी युवा सम्मेलन करेगी। इसके अलावा सभी मंडलों में नव मतदाता सम्मेलन किये जाएंगे।

आलोक वर्मा ने बताया कि प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में आगामी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर चर्चा होगी।

यूपी में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार, योगी ने माफिया का सफाया कर दिया : अमित शाह

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। गृह मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में आयोजित भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में जीत की हुंकार भरी। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनेगी। गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और उत्तर प्रदेश की सुधरी कानून–व्यवस्था की जमकर सराहना की। कहा कि योगी जी ने प्रदेश से माफिया का सफाया कर दिया है। कठोर और पारदर्शी शासन का परिचय देते हुए प्रदेश में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जो सख्त कदम उठाए हैं, उसी का नतीजा है कि आज उत्तर प्रदेश विकास और सुरक्षा के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।



अमित शाह ने बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि अभी चुनावी तैयारी ढीली करने का समय नहीं है। तीसरी बार सरकार बनाने का संकल्प लेकर मैदान में उतरना होगा। उन्होंने उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं से विजय के संकल्प के साथ मुट्ठी भींचकर पूरी एकजुटता से चुनाव में जुटने की अपील की। उन्होंने संगठनात्मक अनुशासन पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम के दौरान फेसबुक लाइव न करने का भी विशेष अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बीते 10 सालों में कई बड़े परिवर्तन हुए हैं। लूट की घटनाओं में 74 प्रतिशत कमी आई है। डकैती में 80: दंगों में 70 प्रतिशत और रंगदारी में 60: की गिरावट आई है। योगी जी ने लॉ एंड ऑर्डर सुधारा तो इनवेस्टमेंट आया। इन्वेस्टमेंट आया तो इससे रोजगार आया और फिर पलायन रुका है।

सपा प्रमुख पर सीधा हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि अखिलेश बाबू, जनता आपको कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने 30 अक्टूबर की तारीख को ऐतिहासिक बताते हुए वर्ष 1990 में अयोध्या में कारसेवकों और रामभक्तों पर हुई पुलिस फायरिंग की घटना का जिक्र किया। अखिलेश यादव के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को जनता अब पहचान चुकी है।



दीपावली-छठ पर 12 दिन तक एक्सट्रा रोडवेज की सर्विस, दिल्ली-पूर्वांचल के लिए बढ़ेंगी बसें



टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए रोडवेज बसें चलाने का आदेश जारी हो गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। छह से 17 नवंबर तक अधिक से अधिक बसें चलाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली व दूसरे महानगरों से पूर्वांचल जाने वाले यात्रियों के लिए बसों की संख्या बढ़ेगी।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने निर्देश दिए हैं कि दिल्ली से पूर्वी प्रदेश के लिए पर्याप्त संख्या में बसें चलाई जाएं। लखनऊ और कानपुर के लिए भी अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाए। 60 प्रतिशत से अधिक यात्री मिलने पर अतिरिक्त सेवाएं शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक यात्रियों की मांग के अनुसार बसों की संख्या घटा या बढ़ा सकेंगे। सभी बसों को शत–प्रतिशत सड़क पर उतारने के सख्त निर्देश हैं।

प्रबंध निदेशक परिवहन निगम पीएन सिंह ने बताया संविदा और आउटसोर्सिंग सहित पात्र ड्राइवरों व कंडक्टरों को तय मानक पूरे करने पर 400 रुपये प्रतिदिन की दर से प्रोत्साहन राशि मिलेगी। 11 दिन ड्यूटी करना और प्रतिदिन औसतन 300 किलोमीटर बस चलाना जरूरी होगा।

यादें ने ताजा की बेगम अख्तर की स्मृतियां

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। उप्र संगीत नाटक अकादमी में याद–ए–बेगम अख्तर कार्यक्रम के दूसरे दिन उस्ताद गुलशन भारती ने बेगम अख्तर का गाया दादरा (कहूं कैसे शरम की है बात) सुनाया। तबले पर उस्ताद इल्माज हुसैन, सारंगी पर जीशान अब्बास, स्वरमंडल पर रजत मिश्रा और तानपुरे पर सुहैल अहमद खान ने संगत दी।

गायक अंकुश निर्मल ने शाम का आगाज बशीर बद्र की रचना सर झुकाओगे तो पत्थर भी खुदा हो जाएगा से किया। स्वाती रिजवी ने मीर और गालिब की रचनाओं से तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ गजल गायक युगांतर सिंदूर और वरिष्ठ अतिथि कथक नृत्यांगना डॉ. पूर्णिमा पांडेय उपस्थित रहीं। अकादमी की उपाध्यक्ष विभा सिंह ने भी बेगम अख्तर को याद किया।कार्यक्रम का संचालन समरीन ने किया।

सील अस्पताल को नए नाम से खुलवाने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भड़के, बैठाई जांच

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। सील अस्पतालों को नाम बदलकर दोबारा खुलवाने के एवज में स्वास्थ्य विभाग में कथित रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। उन्नाव, कानपुर नगर और लखनऊ के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों पर अस्पतालों को नए नाम से दोबारा संचालित कराने के लिए रिश्वत मांगने के आरोप लगे हैं। इस पूरे मामले से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है। कथित वीडियो में रिश्वत मांगने के मामले पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव को प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।



मामले की गंभीरता को देखते हुए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जांच कमेटी गठित कर पूरे प्रकरण की पड़ताल कराने के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य महानिदेशालय स्तर से तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की जाएगी। कमेटी सामने आए वीडियो और संबंधित क्लिपिंग की जांच करेगी।

साथ ही उन्नाव, कानपुर नगर और लखनऊ में सामने आए आरोपों की भी पड़ताल की जाएगी। बंद अस्पतालों को नए नाम से दोबारा खुलवाने के खेल पर कथित घूसखोरी के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सीएमओ कार्यालय में तैनात बाबू संजीव को वहां से हटाकर इंदिरानगर स्थित ट्रेनिंग सेंटर से संबद्ध कर दिया गया। वहीं नर्सिंग होम के नोडल अधिकारी से भी जिम्मेदारी वापस ले ली गई है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

राजधानी में एक हजार से अधिक निजी अस्पताल संचालित हैं। इनमें मानकों की अनदेखी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने कई अस्पतालों को बंद कराया था। आरोप हैं कि कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने अस्पताल संचालकों से साठगांठ की। उन्हीं अस्पतालों को नए नाम से दोबारा खुलवाने का खेल शुरू कर दिया। इसके बदले सुविधा शुल्क मांगे जाने का वीडियो भी सामने आया था। इसमें डॉक्टर और लिपिक पर रुपये मांगने के आरोप लगे।

38 हजार अभ्यर्थियों में से 10 हजार रहे अनुपस्थित

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) शहर के 44 केंद्रों पर हुई। बारिश के बीच दो पालियों में हुई परीक्षा में 38,304 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें 28,213 ने परीक्षा दी जबकि10,091 अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों को मिलाकर कुल उपस्थिति 73. 66 प्रतिशत रही। गणित और जीएस से जुड़े अधिकांश सवालों ने अभ्यर्थियों को खूब उलझाया।

परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों का आना शुरू हो गया था। सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक पहली पाली की परीक्षा में शामिल होने के लिए आठ बजे से अभ्यर्थी केंद्रों के बाहर जुटने लगे। सुबह से ही बारिश के चलते अधिकतर अभ्यर्थी भीगते हुए पहुंचे। कड़ी जांच के बाद उन्हें प्रवेश दिया गया। पहली पाली में पंजीकृत 19,152 अभ्यर्थियों में से 14,175 परीक्षा में शामिल हुए जबकि 4,977 अनुपस्थित रहे। पहली पाली में उपस्थिति 74.01 प्रतिशत दर्ज की गई।



अखंड भारत के सियासी शिल्पी पटेल

रमेश सर्राफ

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें अखंड भारत का राजनीतिक शिल्पी भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप–प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी। देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके जन्मदिन पर यह देश उन्हें शत्–शत् नमन करता है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया। अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945–1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी–बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं। सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया।

जिम्मेदार नागरिक निर्माण में शिक्षा का महत्व



(एजेंसी)

बच्चों में संस्कार केवल विद्यालय नहीं डाल सकता। परिवार की भूमिका सबसे पहली है। विद्यार्थी माता–पिता के व्यवहार से सीखता है। यदि घर में दूसरों के प्रति सम्मान है तो विद्यार्थी सम्मान सीखता है। यदि घर में अनुशासन है तो विद्यार्थी अनुशासन सीखता है। यदि घर में केवल अधिकारों की बात होती है और कर्तव्यों की नहीं, तो उसका प्रभाव भी बच्चे पर पड़ता है। विद्यालय इस सीख को व्यवस्थित और व्यापक दृष्टि देता है। शिक्षक केवल विषय का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं है, वह बच्चों के विचारों को दिशा देने वाला मार्गदर्शक भी है। इसलिए विद्यालय में नागरिक बोध, संवैधानिक मूल्यों, पर्यावरणीय चेतना, डिजिटल नागरिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवन से जोड़कर समझाना आवश्यक है। नई शिक्षा व्यवस्था के सामने यही बड़ी चुनौती और अवसर है– बच्चे को केवल भविष्य की नौकरी के लिए नहीं, बल्कि भविष्य के नागरिक के रूप में तैयार करना।

आज के संदर्भ में शनियंत्रणश शब्द को दमन के अर्थ में नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण के अर्थ में समझना होगा। बाहरी नियंत्रण की अपनी सीमा होती है। कानून व्यक्ति को कुछ करने से रोक सकता है, लेकिन हर परिस्थिति में उसके साथ कोई कानून या प्रहरी नहीं हो सकता। वहां व्यक्ति का विवेक और उसका संस्कार ही काम आता है। यही शिक्षा की सबसे बड़ी शक्ति है। जिस युवा में आत्मअनुशासन है, उसे हर कदम पर निर्देश देने की आवश्यकता नहीं पड़ती। जिसे सही और गलत का बोध है, वह अकेले में भी सही निर्णय लेने का प्रयास करता है।

जिसे अपने कर्तव्य का ज्ञान है, वह केवल दंड के भय से जिम्मेदार नागरिक नहीं बनता। इसलिए शिक्षा का अंतिम लक्ष्य बाहरी अनुशासन नहीं, आंतरिक अनुशासन पैदा करना होना चाहिए। ऐसे में जेन जी और जेन अल्फा के सामने आने वाली दुनिया अवसरों से भरी है, लेकिन चुनौतियां भी उतनी ही बड़ी हैं। एआइ से रोजगार का स्वरूप बदल रहा है, इंटरनेट मीडिया विचारों को प्रभावित कर रहा है और डिजिटल दुनिया बच्चों के सीखने के तरीके को बदल रही है। ऐसे समय में हमें यह तय करना होगा कि हम अपने बच्चों को केवल तकनीक चलाना सिखाएंगे या तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग करना भी सिखाएंगे, केवल अधिकार मांगना सिखाएंगे या कर्तव्य निभाना भी, केवल सफल होना सिखाएंगे या सही बने रहना भी।

वस्तुतरू राष्ट्र निर्माण केवल बड़ी परियोजनाओं से नहीं होता। वह करोड़ों नागरिकों के छोटे–छोटे जिम्मेदार व्यवहार से होता है।

सीमित चुनावों के बड़े संकेत

विधान परिषद के चुनावों में कांग्रेस 'बड़े शून्य' के धब्बे से बच गई। देर रात उसने नागपुर स्नातक सीट जीत कर सभी को चौंका दिया। नागपुर की जीत 'प्रतीकात्मक' है, क्योंकि यहां आरएसएस का मुख्यालय है और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी यहां से सांसद हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी नागपुर की एक सीट से विधायक हैं। क्या नागपुर में स्नातक युवाओं पर संघ परिवार का मानसिक और नैतिक प्रभाव कम हुआ है? उप्र में प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में शिक्षक और स्नातक सीटें समाजवादी पार्टी ने जीती हैं। इस सीट पर प्रधानमंत्री की सांसद के तौर पर जीत का अंतर भी काफी कम हुआ था, लिहाजा यह भाजपा की नई चिंता होनी चाहिए कि शिक्षक और स्नातक जैसा शिक्षित वर्ग क्या भाजपा से विमुख हो रहा है? छिटक रहा है? लखनऊ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का चुनाव क्षेत्र है और गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह–गढ़ है। लखनऊ में भाजपा की पराजय हुई है और गोरखपुर में 'दूसरी वरीयता' के स्तर पर मात्र 307 मतों से जीत पाई है। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भी भाजपा का गढ़ है। वहां से भी सपा ने जीत हासिल की है। उप्र में मार्च, 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बेशक विधान परिषद के चुनाव 'सीमित' होते हैं, फिर भी हजारों मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। यह भी जनादेश से कमतर नहीं माना जा सकता। कमोबेश इनके नतीजों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं, लिहाजा दल सबक भी ले सकते हैं। उप्र में आम विधानसभा चुनाव से पहले ही समीकरण बदलते लग रहे हैं। यदि सपा–कांग्रेस ने वाकई गठबंधन में चुनाव लड़ा, तो नतीजे 'अप्रत्याशित' भी हो सकते हैं! अलबत्ता विधान परिषद की कुल 28 में से 16 सीटें भाजपा ने जीती हैं, लिहाजा संतोष किया जा सकता है। यह जीत भाजपा–एनडीए की साझा जीत है। उप्र में कुल 11 सीटों में से भाजपा के हिस्से 6 और सपा के हिस्से 5 सीटें आई हैं।

पोप ने अमेरिकी चुनाव में मतदान कर रचा इतिहास



वेटिकन सिटी, एजेंसी। पोप लियो–14 ने इतिहास रच दिया है। वह अमेरिकी चुनाव में मतदान करने वाले दुनिया के पहले पोप बन गए हैं। वेटिकन ने इसकी पुष्टि की। शिकागो में जन्मे पोप लियो ने 3 नवंबर को होने वाले अमेरिका के मध्यावधि चुनाव के लिए डाक के जरिए अपना वोट डाला है। वेटिकन के मुताबिक, पोप नागरिकों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी को अपना अधिकार ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी मानते हैं। इसी सोच के तहत उन्होंने अमेरिकी नागरिक के रूप में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वेटिकन के प्रेस कार्यालय ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि पोप लियो–14 ने अमेरिकी नागरिक होने के नाते जब–जब मतदान करने की पात्रता हासिल की, तब–तब अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इस बार भी उन्होंने अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए शिकागो में डाक मतपत्र (मेल–इन बैलेट) के जरिए वोट डाला। पोप लियो का नाम पहले रॉबर्ट प्रीवोस्ट था। वेटिकन न्यूज के मुताबिक, पोप ने दक्षिण अमेरिका के पेरू में रहने के दौरान भी पात्र होने पर हर बार मतदान किया था। वेटिकन के बयान में कहा गया, पवित्र धर्मगुरु का मानना है कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हिस्सा लेना हर नागरिक का अधिकार और कर्तव्य है।अमेरिका में 3 नवंबर 2026 को मध्यावधि चुनाव होने हैं। इन चुनावों में प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों पर मतदान होगा।

पुलिस रिमांड से लौटा हवालाती, जेल में तलाशी पर मिली हेरोइन

अंबाला, एजेंसी। सेंट्रल जेल में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए नशीले पदार्थों के अंदर पहुंचने का मामला सामने आया है। पुलिस रिमांड से लौटते समय एक हवालाती बंदी की तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 15 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

इस मामले में थाना बलदेव नगर पुलिस ने जेल प्रशासन की शिकायत पर एनडीपीएस एक्ट और 42–ए प्रिजनर्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। केंद्रीय कारागार अंबाला के उप–अधीक्षक यश कुमार की ओर से थाना प्रभारी, पुलिस जस्सा पिछले दिनों विभिन्न मुकदमों में केंद्रीय कारागार में बंद किया गया था।

अवैध पटाखों के कारोबार पर कार्रवाई, छह गिरफ्तार

फिरोजपुर, एजेंसी। दिवाली के त्योहार से पहले अवैध पटाखों की बिक्री और भंडारण के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने अलग–अलग मामलों में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। चार दुकानों पर रेड कर भारी मात्रा में पटाखे बरामद किए गए हैं, जबकि एक गोदाम को सील किया गया है। थाना सिटी फिरोजपुर और थाना कुलगढ़ी की पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना सिटी फिरोजपुर के सहायक उपनिरीक्षक गुरमीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस को बिना लाइसेंस पटाखे बेचने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने जोनी, सुनील धवन, कशिश और तेजिंदर सिंह को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 380 डिब्बे पटाखे, 13 बंडल पटाखा बम और 140 खिलौना पिस्तौल बरामद हुए। वहीं, थाना कुलगढ़ी के प्रभारी जसविंदर सिंह के नेतृत्व में गांव नूरपुर सेठां के पास एक गोदाम पर छापा मारा गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि किशन चंद और राम कृष्ण मित्तल ने बिना वैध लाइसेंस और अग्नि सुरक्षा प्रबंधों के पटाखे जमा किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। रेड के दौरान कुल 380 डिब्बे पटाखे और 13 बंडल पटाखा बम जब्त किए गए। बच्चों के 140 पिस्तौलनुमा खिलौने भी बरामद हुए। शेष पटाखों को उपायुक्त के आदेशों के तहत गोदाम में ही सील कर दिया गया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से गवाही देंगे पुलिसकर्मी

पिथौरागढ, एजेंसी। न्यायिक प्रक्रिया को तकनीक से जोड़ने की दिशा में पिथौरागढ़ पुलिस ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पिथौरागढ़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में न्याय श्रुति की शुरुआत हुई। पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीटीसी नरेंद्र नगर (टिहरी गढ़वाल) यशवंत सिंह चौहान ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस सुविधा के शुरू होने से दूरस्थ जनपदों और थानों में तैनात पुलिसकर्मियों व अन्य लोक सेवकों को गवाही देने के लिए अब संबंधित न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होना पड़ेगा।

35 लाख रुपये सुरक्षा धनराशि की मांग पर उच्च न्यायालय की अंतरिम रोक

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने हल्द्वानी के लामाचौड़ स्थित एक शिक्षण संस्थान से बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रमों की संबद्धता के लिए 35 लाख रुपये सुरक्षा धनराशि मांगने के मामले में याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत दी है। न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने निर्देश दिए हैं कि अगली सुनवाई तक संस्थान से 14 दिसंबर 2016 के शासनादेश के आधार पर कोई सुरक्षा जमा नहीं लिया जाए। न्यायालय ने प्रतिवादियों को छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश भी दिए हैं। मामला एमआईईटी कुमाऊं शिक्षा नगर की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है।



इन्दिरा गांधी का बहुआयामी व्यक्तित्व



अशोक त्रिपाठी

भारत की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि हर साल 31 अक्टूबर को बलिदान दिवस या राष्ट्रीय संकल्प दिवस के रूप में मनाई जाती है। नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर उनके ही सुरक्षाकर्मियों द्वारा 31अक्टूबर 1984 को उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पंजाब को खालिस्तान बनने से बचाने के लिए श्रीमती इंदिरा गाधी ने जून 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार के तहत सेना भेज दी थी। इसमें सरगना भिंडरावाले मारे गये थे। उसी का प्रतिशोध लेने के लिए यह घटना घटी थी।

नई दिल्ली स्थित शक्ति स्थल पर उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी गयी थी। इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व को राजनीतिक प्रतिशोध की आग में जलाना असंभव न सही, दुरूह अवश्य है। यह इंदिरा गांधी का ही साहस था कि सिक्किम को भारत गणराज्य में शामिल कराया। यह इंदिरा गांधी की ही विदेश नीति थी जिसने अमेरिका को अंगूठा दिखाकर और रूस को विश्वास में लेकर पाकिस्तान के दो टुकड़े करा दिये। उन्हीं इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व का एक पहलू यह भी है कि अदालत से चुनाव में अयोग्य ठहराने जाने पर 1975 में आपातकाल लागू कर दिया। राजनीतिक प्रतिशोध में जेल भेज दी गयीं तो जनता ने प्रचंड बहुमत से फिर सत्ता सौंप दी।

इंदिरा प्रियदर्शिनी गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन इलाहाबाद, जिसे अब प्रयागराज कहा जाता है, में हुआ था।वह एक भारतीय राजनेता थीं, जिन्होंने 1966 से 1977 तक दो बार भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया और फिर 1980 से 1984 में वलिदान तक पीएम रहीं। वह भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री थीं और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) के नेता के रूप में भारतीय राजनीति में एक केंद्रीय व्यक्तित्व थीं। इंदिरा गांधी ने 1983 से 1984 तक गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) की अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया, वह इस पद को धारण करने वाली पहली भारतीय बनीं। वह भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की बेटी और राजीव गांधी की माँ थीं, जो उनके बाद प्रधानमंत्री बने। चार टर्म में 15 साल और 350 दिन का उनका कुल कार्यकाल, उन्हें अपने पिता के बाद दूसरी सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली भारतीय प्रधानमंत्री बनाता है और उनकी मृत्यु के समय वह सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला सरकार प्रमुख थीं।

1947 से 1964 तक अपने पिता जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री रहने के दौरान, इंदिरा गांधी उनके साथ आधिकारिक रूप से राजनीति सीख रही थीं और उनके कई विदेशी दौरों पर उनके साथ गईं। 1959 में, उन्होंने इंडियन नेशनल कांग्रेस की प्रेसिडेंट के तौर पर कम्युनिस्ट –लीड वाली केरल राज्य सरकार को भंग करने में भूमिका निभाई, जो कि एक रस्मी पद था, जिसके लिए उन्हें उसी साल की शुरुआत में चुना गया था। लाल बहादुर शास्त्री, जो 1964 में नेहरू की मौत के बाद प्रधानमंत्री बने थे, ने उन्हें अपनी सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री बनाया। उसी साल वह भारतीय संसद के ऊपरी सदन, राज्यसभा के लिए चुनी गईं ।

जनवरी 1966 में शास्त्री की मौत के बाद, गांधी ने कांग्रेस के पार्लियामेंट्री लीडरशिप चुनाव में अपने विरोधी, मोरारजी देसाई को हरा दिय और पार्टी की लीडर बनीं । वह शास्त्री की जगह प्रधानमंत्री भी बनीं। भारत की प्रधानमंत्री बनने के साथ ही वह अपनी श्रीलंकाई समकक्ष सिरीमावो भंडारनायके के बाद दुनिया की दूसरी महिला प्रधानमंत्री बनीं। उन्होंने कांग्रेस को अगले दो चुनावों में जीत दिलाई, जिसकी शुरुआत 1967 के आम चुनाव से हुई , जिसमें वह पहली बार भारतीय संसद के निचले सदन, लोकसभा के लिए चुनी गईं। 1971 में, उनकी पार्टी ने गरीबी जैसे मुद्दों पर ध्यान देते हुए, 1962 में उनके पिता की जीत के बाद पहली बार बड़ी जीत हासिल की।

प्रधानमंत्री के रूप में, इंदिरा गांधी अपने अडिग राजनीतिक रुख और सरकार के भीतर शक्ति के केंद्रीकरण के लिए जानी जाती थीं। 1967 में, उन्होंने चीन के साथ एक सैन्य संघर्ष का नेतृत्व किया जिसमें भारत ने हिमालय में चीनी घुसपैठ को खदेड़ दिया और 1971 में, वह स्वतंत्रता आंदोलन और पूर्वी पाकिस्तान में स्वतंत्रता संग्राम के समर्थन में पाकिस्तान के साथ युद्ध में गईं, जिसके परिणामस्वरूप भारत की जीत हुई, पूर्वी पाकिस्तान में नरसंहार का अंत हुआ और उसे बांग्लादेश की स्वतंत्रता के रूप में जाना गया, साथ ही भारत का प्रभाव इतना बढ़ गया कि वह दक्षिण एशिया में एकमात्र क्षेत्रीय शक्ति बन गया। इसका श्रेय इंदिरा गांधी को ही दिया जाता है। पाकिस्तान के खिलाफ एक और सैन्य अभियान, जिसका कोड नाम ऑपरेशन मेघदूत था, 1984 में उनके कार्यकाल के दौरान हुआ, जिसके कारण भारत ने विवादित कश्मीर क्षेत्र में अपने प्रभावी नियंत्रण वाले क्षेत्र का विस्तार किया। इंदिरा गांधी ने 1974 में भारत के पहले सफल परमाणु हथियार परीक्षण की शुरुआत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पूर्व सिक्किम को स्वतंत्र भारत में पूर्ण राज्य के रूप में मिलाने का श्रेय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार और उनकी रणनीतिक कार्रवाई को जाता है।

1947 में भारत की आजादी के समय सिक्किम भारत का हिस्सा नहीं था, बल्कि यहाँ चोग्याल (राजवंश) का शासन था। 1950 में भारत और सिक्किम के बीच एक शांति संधि हुई, जिससे सिक्किम भारत का संरक्षित राज्य बना। इसके तहत भारत सिक्किम की रक्षा, विदेश मामलों और संचार की जिम्मेदारी संभालता था। 1970 के दशक तक सिक्किम की जनता चोग्याल (राजा पाल्डेन थोंडुप नामग्याल) की नीतियों और राजशाही के खिलाफ हो गई। वहाँ लोकतंत्र और बदलाव की माँग तेज हो गई। भारत सरकार, चोग्याल और सिक्किम के राजनीतिक दलों के बीच 8 मई 1973 को एक समझौता हुआ, जिससे राजा की शक्तियाँ सीमित कर दी गईं और प्रशासनिक सुधार किए गए। भारतीय संसद ने संविधान में 36वाँ संशोधन कर 16 मई 1975 को सिक्किम को आधिकारिक तौर पर भारतीय संघ का 22वाँ राज्य घोषित कर दिया।इस सिक्किम विलय विवरण और भू–राजनीतिक दृष्टि से यह विलय भारत के लिए उत्तर–पूर्वी सीमाओं को सुरक्षित रखने के मामले में एक ऐतिहासिक कदम था।अपने चौथे प्रधानमंत्री के तौर पर उन्हें सिख अलगाववादी आंदोलन का सामना करना पड़ा। जवाब में, उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार का आदेश दिया, जिसमें स्वर्ण मंदिर में सैन्य कार्रवाई हुई और सैकड़ों सिख मारे गए । इसी के प्रतिशोध में 31 अक्टूबर 1984 को, उनके दो बॉडीगार्ड ने उनकी हत्या कर दी। दोनों सिख राष्ट्रवादी थे लेकिन उनको हरमंदिर साहिब में हुई घटनाओं का बदला लेने के लिए कट्टरवादियों ने इस तरह बरगलाया कि उन्होंने कर्त्तव्य की ही हत्या कर दी। इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को देखे बिना श्रद्धांजलि अधूरी रहेगी।

मोहन भागवत का ज्ञानेश पुराण

–अशोक त्रिपाठी

संघ प्रमुख आंदोलनों के लिए इसका उपदेश तो करते ही हैं कि, परंतु आंदोलन समाधान देने के लिए होने चाहिएच और यह भी कि भावनाएं तीव्र होने पर भी हमारे संविधान कानून की मर्यादा में, बोलचाल चलन के भद्र व्यवहार के संकेतों की मर्यादा में हमारी कृतियां हों, यह ध्यान रखना चाहिए। वोट, सस्ती लोकप्रियता अथवा राजनीतिक लाभ का लोभ, हमारे विवेक और सद्भावना पर हावी न हो। समाचार पढ़ें क्या संघ–भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए, देश की जनता के खिलाफ, भारतीय जनतंत्र के खिलाफ और संविधान के खिलाफ बाकायदा युद्ध छेड़ने का फैसला कर लिया है। ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की जनतंत्र को ही ध्वस्त करने वाली करतूतों के खिलाफ राजधानी दिल्ली समेत देश भर में पिछले करीब महीने भर में सामने आए जनता के विक्षोभ और एक ओर राजनीतिक विपक्ष तो दूसरी ओर युवाओं, मजदूरों, किसानों, मध्यवर्गीय पेशेवरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों आदि के लगातार फैलते आंदोलन के सामने, मोदी–शाह की सरकार के साथ–साथ संघ–भाजपा जोड़ी के



शीर्ष ने जो टकराव की मुद्रा अपनायी है, उससे उसके युद्ध के लिए सन्नद्ध होने का ही पता चलता है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने, विजयदशमी के अपने परंपरागत संबोधन में एक तरह से इस युद्ध ऐलान किया है। इस ऐलान को यह तथ्य और भी अनिष्टंकर अर्थ दे रहा था कि आरएसएस, विजयदशमी को अपना स्थापना दिवस मानता है और इस अवसर पर एक ओर अगर संघ प्रमुख का मार्गदर्शक संबोधन होता है, तो दूसरी ओर शस्त्र पूजा का आयोजन किया जाता है। इस बार का विजयदशमी आयोजन इसलिए और भी खास था कि इसके साथ, देश–विदेश में हुए आरएसएस के शताब्दी वर्ष आयोजनों का समापन हो रहा था। इस तरह, संघ के एक सौ एक वें वर्ष में प्रवेश के मौके को संघ प्रमुख ने इस युद्ध की घोषणा करने के लिए चुना है, इससे इस घोषणा की मारकता और बढ़ जाती है। संघ प्रमुख ने वोट चोरी से लेकर चुनाव की ही चोरी तक के असंख्य रहस्योद्घाटनों की ओर एक नजर तक डालना गवारा नहीं किया, जो गोदी मीडिया के जरिए मुख्यधारा के लगभग समूचे मीडिया की लंबी चुप्पी के बावजूद, देश में ही नहीं विदेश तक, भारतीय जनतंत्र पर वास्तविक चिंताएं पैदा कर रहे हैं। संघ प्रमुख ने यह सुनने के बजाय अपने कान बंद ही कर लिए कि सड़कों पर उतर रहे प्रदर्शनकारी, वोट के अधिकार को बचाने की मांग कर रहे थे, जोकि जनतंत्र की बुनियादी इकाई है, वह ईंट है जिससे जनतंत्र की इमारत खड़ी होती है और संघ प्रमुख की जुबान से इसकी सराहना का एक शब्द तक नहीं निकला कि तिरंगा ओढ़ कर सबसे बढ़कर युवा पीढ़ी ही आज जनतंत्र को बचाने की चिंता से संचालित होकर, सड़कों पर उतर रही है।

जंतर मंतर–1 के फौरन बाद, भागवत ने संघ–भाजपा के राजनीतिक नुकसान को कम करने की सचेत कोशिश में, जेन जी को पटाने के लिए जो कुछ अच्छी–अच्छी बातें कही थीं, उनसे भ्रमित हुए सहज–विश्वासी लोगों को जरूर, जंतर मंतर–1 और जंतर मंतर–2 के बीच, छरू महीने से भी कम में भागवत की इस पल्टी पर हैरानी होगी। लेकिन, वास्तव में इसमें हैरानी की कोई बात है नहीं। छः महीने पहले का भागवत का जेन जी प्रेम्च भी, देश की सत्ता पर संघ–भाजपा की पकड़ को मजबूती देने के लिए था और अब उसी सत्ता के दमनचक्र के लिए तर्क जुटाने के लिए भागवत जेन जी के हरकत में आने को भारतविरोधी ताकतों के षड्यंत्र का हिस्सा बताने से नहीं हिचकते हैं।

बिना नाम लिए किंतु स्पष्टतः चुनाव की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए जारी वर्तमान आंदोलन को देश के लिए ही खतरा बताते हुए संघ प्रमुख कहते हैं परंतु जब...आंदोलन राजनीति का साधन बन जाता है, किसी व्यक्ति, समूह या विचार के प्रति विरोधी शत्रुभाव लेकर चलता है, तब इसका लाभ भारत को दबाना चाहने वाली शक्तियां लेती हैं। इससे पहले, संघ प्रमुख आंदोलनों के लिए इसका उपदेश तो करते ही हैं कि, श्परंतु आंदोलन समाधान देने के लिए होने चाहिए और यह भी कि भावनाएं तीव्र होने पर भी हमारे संविधान कानून की मर्यादा में, बोलचाल चलन के भद्र व्यवहार के संकेतों की मर्यादा में हमारी कृतियां हों, यह ध्यान रखना चाहिए। वोट, सस्ती लोकप्रियता अथवा राजनीतिक लाभ का लोभ, हमारे विवेक और सद्भावना पर हावी न हो, यह चिंता करनी ही पड़ेगी। इससे आगे जाकर वह एक ओर तो वर्तमान संघ–भाजपा शासन को देश के सामने मौजूद समस्याओं के लिए जवाबदेही से बरी करते हुए कहते हैं कि, समाज की सब समस्याएं शासन ही सुलझा सकता है...ऐसा भी अनुभव नहीं है।

करियाड़ा नाग मंदिर



देवभूमि हिमाचल की पहाडियों में बसे कुछ धार्मिक स्थल ऐसे हैं, जहां कदम रखते ही श्रद्धालुओं को एक अलग आध्यात्मिक अनुभूति होती है। कहीं घंटियों की गूंज मन को शांति देती है, तो कहीं सदियों से चली आ रही मान्यताएं लोगों के मन में श्रद्धा और कौतूहल जगाती हैं। कांगड़ा जिले के देहरा उपमंडल के अंतर्गत करियाड़ा स्थित प्राचीन नाग मंदिर भी ऐसा ही एक आस्था स्थल है, जिसकी पहचान नागराज से जुड़ी रहस्यमयी कथाओं, वर्ष 1978 की चर्चित घटना और भक्तों के अटूट विश्वास से बनी हुई है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह केवल पूजा–अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि मन की मुराद लेकर पहुंचने और आध्यात्मिक शांति पाने का दरबार है।

मंदिर की चर्चा स्थानीय क्षेत्र से निकलकर दूरदराज के इलाकों तक पहुंच चुकी है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू और देश के दूसरे हिस्सों से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कोई परिवार की सुख–समृद्धि की कामना लेकर आता है, कोई जीवन की परेशानियों के बीच मन की शांति तलाशता है, तो कोई नागराज के प्रति अपनी पीढियों पुरानी श्रद्धा निभाने यहां पहुंचता है। मंदिर से जुड़ी मान्यताएं और श्रद्धालुओं के व्यक्तिगत अनुभव इस धार्मिक स्थल के प्रति लोगों का आकर्षण बनाए रखते हैं।

1978 की घटना ने जगाया कौतूहल– करियाड़ा नाग मंदिर के रहस्य की चर्चा हो और 18 अक्तूबर 1978 का जिक्र न हो, ऐसा कम ही देखने को मिलता है। स्थानीय लोगों के बीच प्रचलित मान्यता के अनुसार, इस तारीख को मंदिर से जुड़ी एक असाधारण घटना हुई थी, जिसे भक्तों ने नागराज की दिव्य शक्ति से जोडकर देखा। समय बीतने के साथ यह प्रसंग स्थानीय लोकस्मृति का हिस्सा बन गया। बुजुर्गों से सुनी गई बातें और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती कथाएं आज भी लोगों के बीच इस घटना को लेकर जिज्ञासा बनाए रखती हैं। मंदिर परिसर में मौजूद एक पुराना, घुमावदार पेड़ भी श्रद्धालुओं के लिए कौतूहल का विषय है। स्थानीय मान्यता में इस पेड़ को 1978 की घटना से जोडकर देखा जाता है। इसे देखने वाले कई भक्त इसके स्वरूप और इससे जुड़ी कहानी के बारे में जानना चाहते हैं। हालांकि, पेड़ और उस घटना के बीच संबंध को प्रमाणित करने वाले ऐतिहासिक दस्तावेज उपलब्ध होना आवश्यक है। फिलहाल इसका महत्त्व मुख्य रूप से स्थानीय मान्यताओं और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है। इस घटना को लेकर जांच एजेंसियों, पुलिस और बंगाल से आए तांत्रिकों से संबंधित दावे भी स्थानीय चर्चाओं में सुनने को मिलते हैं। लेकिन इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि के लिए आधिकारिक अभिलेख जरूरी हैं।

यही कारण है कि इस मंदिर की कहानी में रहस्य के साथ–साथ प्रमाणिक इतिहास की खोज की गुंजाइश भी बनी हुई है।

राधा कुंड स्नान का महत्त्व

मथुरा की पवित्र धरती से भगवान कृष्ण की प्रेम कहानी और उनकी लीलाओं का गहरा संबंध है। यहां हर कोने में अद्भुत कथाएं छिपी हैं। इनमें से एक है राधा कुंड, जो केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि संतान सुख के लिए एक दिव्य आश्रय स्थल माना जाता है। इसके बारे में मान्यता है कि अगर निरूसंतान दंपति अहोई अष्टमी की मध्य रात्रि को यहां एक साथ स्नान करें, तो उन्हें संतान प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि आज भी कार्तिक मास के पुष्य नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण रात्रि बारह बजे तक राधाजी के साथ राधा कुंड में अष्ट सखियों संग महारास करते हैं। इसलिए अहोई अष्टमी के दिन यहां अष्टमी मेला लगाया जाता है।

अहोई अष्टमी का ये पर्व यहां प्राचीन काल से मनाया जाता है। इस दौरान पति और पत्नी दोनों एक साथ निर्जला व्रत रखते हैं और मध्य रात्रि को राधा कुंड में डुबकी लगाते हैं। केवल इतना ही नहीं, जिस दंपति की मनोकामना पूरी हो जाती है, वह भी अहोई अष्टमी के पावन पर्व पर अपनी संतान के साथ यहां राधा रानी की शरण में हाजरी लगाने आता है। कहा जाता है



कि यह प्रथा द्वापर युग से चली आ रही है। इससे जुड़ी कहानी का पुराणों में भी वर्णन है, जो इस प्रकार है।

कुंड से संबंधित एक कथा के अनुसार कंस ने भगवान श्रीकृष्ण का वध करने के लिए अरिष्टासुर नामक दैत्य को भेजा था। अरिष्टासुर बछड़े का रूप लेकर श्रीकृष्ण की गउओं में शामिल हो गया और उन्हें मारने लगा। भगवान श्रीकृष्ण ने बछड़े के रूप में छिपे दैत्य को पहचान लिया और पकडकर उसका वध कर दिया।

यह देखकर राधा ने श्रीकृष्ण से कहा कि उन्हें गो हत्या का पाप लग गया है। इस पाप से मुक्ति हेतु उन्हें सभी तीर्थों के दर्शन करने चाहिए। श्रीकृष्ण ने एक कुंड में सभी तीर्थों के जल को आमंत्रित किया और स्नान करके पाप मुक्त हो गए। उस कुंड कोकृष्ण कुंड कहा जाता है, जिसमें स्नान करके श्रीकृष्ण गो हत्या के पाप से मुक्त हुए थे, माना जाता है कि इस कुंड का निर्माण श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी से किया था। श्रीकृष्ण द्वारा बने कुंड को देख राधा ने भी उस कुंड के पास ही अपने कंगन से एक और छोटा सा कुंड खोदा। देवी राधा द्वारा बनाया कुंड राधा कुंड के नाम से प्रसिद्ध हुआ। माना जाता है कि अहोई अष्टमी तिथि को इन कुंडों का निर्माण हुआ था, जिसके कारण अहोई अष्टमी को यहां स्नान करने का विशेष महत्त्व है। प्रतिवर्ष यहां अहोई अष्टमी पर बड़ी संख्या में भक्त स्नान के लिए आते हैं। कृष्ण कुंड और राधा कुंड की अपनी–अपनी विशेषता है। कृष्ण कुंड का जल दूर से देखने पर काला और राधा कुंड का जल दूर से देखने पर सफेद दिखता है।

चाय-कॉफी-ग्रीन टी पीने से शरीर होगा मजबूत



रोजाना एक कप चाय या कॉफी आपको बुढ़ापे में शरीर को मजबूत बनाए रख सकती है, यह बात हाल ही में हुई रिसर्च में साबित हुई है।

रिसर्चर्स का कहना है कि अगर कोई अपनी मिड लाइफ (40 से 60 साल) में कॉफी और चाय पीता है तो जीवन के अंतिम सालों में उसका शरीर कमजोर होने की संभावना कम हो सकती है। इसका प्रमुख कारण चाय–कॉफी में मौजूद कैफीन है। जो लोग दिन में चार कप कॉफी पीते थे उन्हें सबसे अच्छा फायदा हुआ था और जो लोग ब्लैक या ग्रीन टी पीते थे। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर की टीम ने 45 से 74 वर्ष की उम्र के 12,000 लोगों को 20 साल तक फॉलोअप किया। यूनिवर्सिटी के योंग लू लिन स्कूल ऑफ मेडिसिन में हेल्दी लॉन्गविटी ट्रांसलेशनल रिसर्च प्रोग्राम के प्रोफेसर कोह वून पुए ने कहा, "सिंगापुर सहित दुनिया भर के कई क्षेत्रों में कॉफी और चाय मुख्य पेय पदार्थ हैं। हमारी रिसर्च से पता चलता है कि इनका मिडलाइफ में सेवन करने से जीवन के आखिरी के सालों में शारीरिक कमजोरी की संभावना कम हो सकती है।

प्रोफेसर कोह वून पुए ने आगे कहा, 'हालांकि, इन निष्कर्षों की पुष्टि करने के लिए और यह जांच करने के लिए कि क्या शारीरिक कमजोरी पर ये प्रभाव कैफीन या अन्य रासायनिक यौगिकों से हो रहा है, आगे भी रिसर्च की जरूरत है।

wisdom360™
Cultivating Success
(AN IIT/IIM ALUMNI INITIATIVE)
Class V to XII
(CBSE & ICSE)
70072-79710
1/46 Rashmi Khand Sharda Nagar 226002.

नोएल टाटा 11 नवंबर को ट्रेंट के चेयरमैन पद से होंगे रिटायर, बहराम वकील संभालेंगे जिम्मेदारी



टाटा ग्रुप की रिटेल दिग्गज कंपनी 'ट्रेंट लिमिटेड' में एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई अपनी आधिकारिक सूचना में बताया है कि नोएल एन. टाटा चेयरमैन और निदेशक के पद से रिटायर हो रहे हैं। कंपनी ने टाटा ग्रुप के गवर्नेंस दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए यह निर्णय लिया है। नोएल टाटा 11 नवंबर 2026 को कारोबार के समापन के साथ अपने इन पदों से मुक्त हो जाएंगे।

टाटा के रिटायर होने के बाद, बोर्ड ने 12 नवंबर से बहराम वकील को ट्रेंट का चेयरमैन नियुक्त किया है। कंपनी ने 30 अक्टूबर से राजीव दुबे को नॉन–एग्जीक्यूटिव, नॉन–इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के तौर पर नियुक्त करने को भी मंजूरी दी है, जो शेयरहोल्डर्स की सहमति मिलने पर लागू होगा। दुबे के पास कई अलग–अलग सेक्टरों में चार दशकों से ज्यादा का अनुभव है।

दुबे कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बोर्डों में काम कर चुके हैं। उन्हें ऑटोमोबाइल, धातु, खनन, बिजली, नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, ट्रेडिंग, टेक्सटाइल, रिटेल और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों का अनुभव है। हजारों भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय बोर्डों में काम कर चुके हैं। उन्हें ऑटोमोबाइल, मेटल, गुरुत्वाकर्षण, बिजली, रासायनिक ऊर्जा, टेक्सटाइल, स्ट्रेंथ और वित्तीय सेवाएं जैसे क्षेत्र का अनुभव है। नेतृत्व परिवर्तन के अलावा, कंपनी ने अपने बोर्ड को और अधिक सशक्त बनाने के लिए दो नई नियुक्तियां की हैं। राजीव दुबे को 30 अक्टूबर 2026 से 'अतिरिक्त निदेशक' के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही, कल्पना मर्चेंट को 'अतिरिक्त निदेशक' के रूप में नियुक्त किया गया है, जिन्हें बाद में तीन साल के कार्यकाल के लिए 'स्वतंत्र निदेशक' का दर्जा दिया गया है। राजीव दुबे और कल्पना मर्चेंट दोनों ही अपने–अपने क्षेत्रों के दिग्गज हैं। राजीव दुबे के पास टाटा और आदित्य बिड़ला जैसे समूहों के साथ 40 वर्षों का अनुभव है, वहीं कल्पना मर्चेंट कानूनी पेशे में 45 वर्षों से अधिक का अनुभव रखती हैं। इन अनुभवी विशेषज्ञों का आगमन ट्रेंट लिमिटेड की कॉर्पोरेट गवर्नेंस और रणनीतिक निर्णयों में एक नई ऊर्जा और स्पष्टता लाएगा। ट्रेंट लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि ये सभी बदलाव कंपनी के गवर्नेंस गाइडलाइन्स के तहत किए गए हैं, ताकि कंपनी भविष्य में और भी अधिक पारदर्शी और कुशल बनी रहे।

गोयल ने लिकटेंस्टाइन के राजकुमार एलोइस के साथ व्यापार और निवेश संबंधों पर चर्चा की



केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत की राजकीय यात्रा पर यहां आए लिकटेंस्टाइन के राजकुमार एलोइस से शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं ने इस बैठक के दौरान व्यापार और निवेश संबंधों पर अहम चर्चा की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि इस मुलाकात के दौरान भारत–यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के तहत आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और निवेश के अवसरों पर चर्चा की गई। मंत्रालय ने कहा कि गोयल ने भारत के मजबूत आर्थिक बुनियाद ढांचे, निरंतर जारी सुधारों की प्रक्रिया और विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार को रेखांकित भी किया, जो अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए व्यापक अवसर प्रदान करते हैं। इस बैठक के दौरान उन्होंने कारोबार सुगमता में सुधार, नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने, डिजिटल शासन को मजबूत करने तथा एक पूर्वानुमान योग्य, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल तैयार करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों पर जोर दिया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक में भारत–ईएफटीए टीईपीए का लाभ उठाकर निवेश प्रवाह को मजबूत करने और वाणिज्यिक संबंधों को और गहरा बनाने के साझा संकल्प की पुष्टि की गई। भारत का मुख्य उद्देश्य इस समझौते से उत्पन्न अवसरों को निवेश में वृद्धि, विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार, प्रौद्योगिकी सहयोग और गुणवत्तापूर्ण रोजगार सहित ठोस आर्थिक परिणामों में बदलना है।

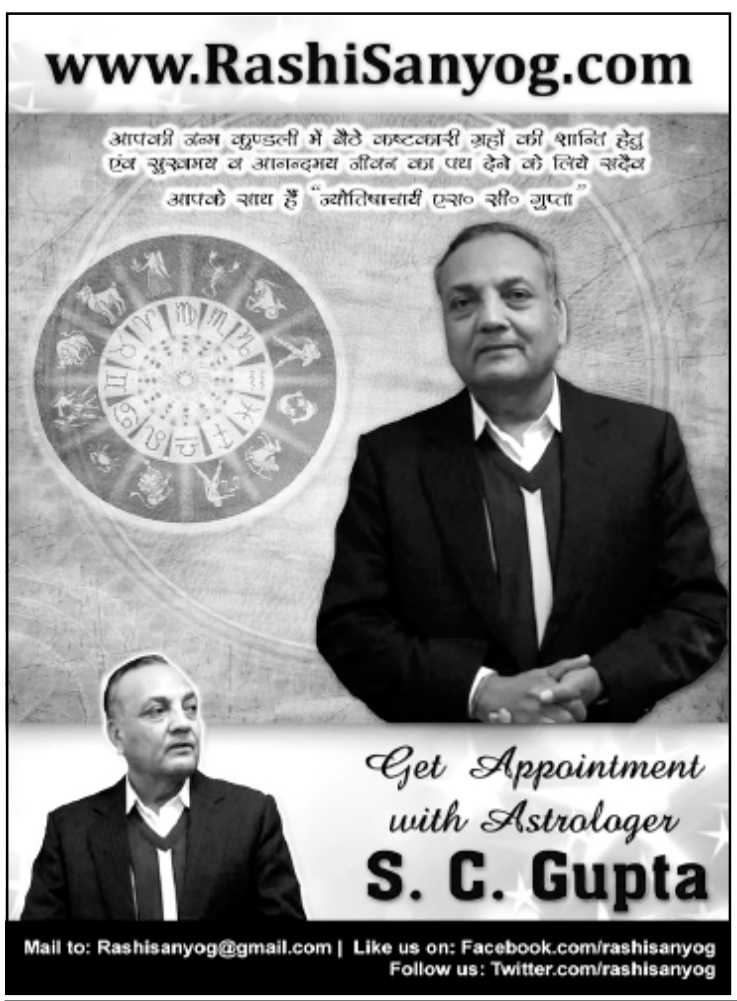
मंत्रालय ने कहा कि गोयल ने भारत–ईएफटीए टीईपीए से मिलने वाले अवसरों को रेखांकित किया। यह समझौता एक अक्टूबर, 2025 को लागू हुआ था। इसके तहत ईएफटीए देशों ने 15 वर्षों में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने में मदद करने का लक्ष्य रखा है। यह ढांचा मजबूत आर्थिक संबंधों को दीर्घकालिक निवेश, उत्पादन क्षमता, प्रौद्योगिकी साझेदारी और भारत में रोजगार सृजन के ठोस अवसरों में बदलने का मार्ग प्रशस्त करता है।

महंगे कच्चे तेल का मुकाबला करेगा ग्रीन हाइड्रोजन



खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और महंगे कच्चे तेल के बीच भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन और इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन पर जोर तेज कर दिया है। इसके तहत वर्ष 2030 तक सालाना 50 लाख मीट्रिक टन (5 एमएमटी) ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का अनुमान है कि इस पहल से जीवाश्म ईंधन के आयात पर होने वाले खर्च में करीब एक लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। नक्शेदेखें

जारी आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करना, आयातित जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाना और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में पहुंचाना है। सरकार इसे स्वच्छ, आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी ऊर्जा अर्थव्यवस्था बनाने की महत्वपूर्ण पहल मान रही है।



18 साल से ग्राहकों की पहली पसंद बनी डिजायर



मारुति सुजुकी इंडिया की सेडान कार डिजायर की बिक्री 35 लाख इकाई के पार पहुंच गई है। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी ने बताया कि उसके मानेसर प्लांट में बनने वाली डिजायर ने लगभग 18 साल और नौ महीने में यह मुकाम हासिल किया है। इससे पहले ऑल्टो, स्विफ्ट और वैगनआर भी 35 लाख की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुके हैं। डिजायर 5–स्टार 'भारत एससीएपी' रेटिंग पाने वाली पहली सेडान है। यह भारतीय बाजार में सबसे ज्यादा बिकने वाला यात्री वाहन होने के साथ पिछले वित्त वर्ष में निर्यात के मामले में शीर्ष पांच मॉडलों में भी शामिल रही है।

मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने कहा, "35 लाख डिजायर गाड़ियों का कुल उत्पादन इस मॉडल के सफर में एक अहम पड़ाव है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह चार पीढ़ियों तक फैले लाखों ग्राहकों के भरोसे और प्यार को दर्शाता है। किसी कार का लगभग दो दशकों तक प्रासंगिक बने रहना बहुत बड़ी बात है। साल 2008 में पेश की गई डिजायर ने स्टाइल, आराम और उपयोगिता का बेहतरीन मेल पेश करते हुए एक मजबूत विरासत बनाई है।

भारत को वित्त और टेक्नोलॉजी पर करना होगा फोकस



भारत को अपने 500 गीगावाट की क्लीन एनर्जी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जलवायु निवेश, अनुकूलन वित्त (अडैप्टेशन फाइनेंस), टेक्नोलॉजी सहयोग और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह जानकारी तुर्किए में होने वाली कॉप31 क्लाइमेंट समिट से पहले इंडस्ट्री चैम्बर्स की ओर से दी गई।नक्शे देखें इंडस्ट्री चैम्बर्स एसोचौम ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2026 में रिकॉर्ड 55.29 गीगावाट की बढ़ोतरी के साथ, जुलाई 2026 तक भारत की गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली क्षमता 300.5 गीगावाट तक पहुंच गई है।

भारत ने 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले ही अपनी कुल बिजली क्षमता में गैर–जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत से अधिक कर ली है। एसोचौम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने कहा, ष्देश ने यह साबित कर दिया है कि एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था स्वच्छ ऊर्जा को बड़े पैमाने पर अपना सकती है। भारत ने तय समय से पांच साल पहले ही अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का आधे से अधिक हिस्सा गैर–जीवाश्म स्रोतों से हासिल कर लिया है।

MY SPORT CART
LIVE . PLAY . WIN
ONLINE SHOPPING
Customer Care:
+91-9654477772
(10am - 8pm)
www.mysportcart.com

टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने अर्शदीप सिंह



भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इतिहास रच दिया। वह टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए चौथे टी–20 मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की।

अर्शदीप ने 103 मैचों की 99 पारियों में 20.62 की औसत और 8.65 की इकोनॉमी से 150 विकेट पूरे किए हैं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 51 रन देकर पांच विकेट रहा है। इस उपलब्धि के साथ वह टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अर्शदीप टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाले दुनिया के तीसरे तेज गेंदबाज भी बन गए हैं। उनसे पहले न्यूजीलैंड के टिम साउदी और बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस प्रारूप में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के राशिद खान के नाम है, जिन्होंने 200 विकेट लिए हैं। वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दुनिया के इकलौते गेंदबाज हैं। अर्शदीप ने 2026 में पूर्ण सदस्य देशों की ओर से खेलते हुए टी–20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक विकेट लेने का नया रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने इस साल अब तक 40 विकेट हासिल किए हैं। इस मामले में उन्होंने आयरलैंड के जोश लिटिल को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 2022 में 39 विकेट लिए थे। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने 2024 में 38 और भारत के भुवनेश्वर कुमार ने 2022 में 37 विकेट हासिल किए थे। गेंदों के लिहाज से भी अर्शदीप टी–20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 150 विकेट पूरे करने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 2143 गेंदों में हासिल की। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने 2035 और अफगानिस्तान के राशिद खान ने 2098 गेंदों में 150 विकेट पूरे किए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी–20 मुकाबले में अर्शदीप ने अपने चार ओवर के कोटे में 38 रन देकर एक विकेट लिया। चार ओवर पूरे करने वाले गेंदबाजों में उन्होंने सबसे कम रन खर्च किए। हालांकि, न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन की तूफानी पारी खेलकर अपनी टीम को 260 रन के बड़े लक्ष्य तक पहुंचाया। भारत पांच मैचों की इस श्रृंखला में पहले ही 3–0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुका है। अब उसकी नजर चौथा मुकाबला जीतकर बढ़त 4–0 करने पर है।

राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों में ठोकी फिफ्टी, भारत ने 6 ओवर में बनाए 121 रन



भारत को हॉन्ग कॉन्ग सिक्सेस 2026 बाउल सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों करीबी मुकाबले में 3 रन से हार का सामना करना पड़ा। पहले बैटिंग करते हुए इंग्लिश टीम ने मार्टिन एंडरसन की तूफानी फिफ्टी के दम पर निर्धारित 6 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 124 रन बोर्ड पर लगाए थे। एंडरसन ने 13 गेंदों पर 3 चौकों और 6 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 51 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा एड बर्नार्ड ने 14 गेंदों पर नाबाद 35 रन बनाए थे। इस स्कोर का पीछा करने उतरी टीम इंडिया के लिए राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर फिफ्टी जड़ी। राहुल फिफ्टी लगाने के बाद रिटायर्ड हो गए थे, मगर उनके जाने के बाद भारतीय टीम लय खो बैठी। भारत ने 6 ओवर में 121 रन जरूर बोर्ड पर लगाए, मगर उन्हें इस मैच में 3 रन से हार का सामना करना पड़ा।

त्रिपाठी ने इस मैच में नंबर–3 पर बैटिंग की। नीतीश राणा के साथ इस बार पारी का आगाज शशांक सिंह ने किया। राणा का बल्ला इस टूर्नामेंट में नहीं चला है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए आकिब नबी



जम्मू–कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के पहले तीन मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को टीम में बदलाव की घोषणा की। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब को शुरुआत में श्रृंखला के चौथे और पांचवें एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह दी गई थी। अब चयन समिति ने उन्हें पहले तीन मैचों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। इस बदलाव के बाद वह श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

पहले तीन एकदिवसीय मुकाबलों के लिए संशोधित भारतीय टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहले वनडे के लिए) और आकिब नबी शामिल हैं। वहीं, श्रृंखला के चौथे और पांचवें एकदिवसीय मुकाबलों के लिए घोषित भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। इस टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (उपकप्तान और विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव को शामिल किया गया है। इस तरह आकिब नबी अब पांचों एकदिवसीय मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में उपलब्ध रहेंगे।







एकता कपूर का नया शो होगा बेवफाइयां



स्टार प्लस ने अब उनके मोस्ट अवेटेड शो के नाम से भी पर्दा उठा दिया है। इस रोमांटिक पारिवारिक ड्रामा को एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स प्रोड्यूस कर रही है। दोनों कलाकार पहली बार पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे। यह शो 'अनुपमाश के बाद गौरव और 'कुंडली भाग्य' के बाद श्रद्धा की डेली फिक्शन में वापसी का भी मौका होगा। 'कुंडली भाग्य' से लंबे समय तक जुड़ी रहीं श्रद्धा दूसरी बार बालाजी के साथ काम करेंगी, जबकि गौरव पहली बार एकता के किसी शो का हिस्सा बनेंगे। गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या के नए शो का नाम दिल की बेवफाइयां है, जिसमें श्रद्धा के किरदार का नाम जानकी होगा जबकि गौरव मानव का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे।

यह सीरियल दीवाली पर दस्तक देगा, जिसका जिक्र प्रोमो में किया गया है। इस जोड़ी को लेकर एकता कपूर ने कहा, "दोनों को दर्शकों का बहुत प्यार मिला है और मैं लंबे समय से इन्हें एक साथ पर्दे पर देखना चाहती थी। शो का नाम सामने आने के साथ ही इसे दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारियां भी जारी हैं। हाल ही में गौरव और श्रद्धा ने इस नई शुरुआत से पहले एक पूजा में हिस्सा लिया था। दिल की बेवफाइयाँ को दिवाली के बाद, संभवतः नवंबर के आखिरी हफ्ते में लॉन्च करने की तैयारी है।

कृति के नए प्रोमो ने बढ़ाया निबेदिता पाल का उत्साह, 'ऑब्सेशन एरा' को लेकर बड़े प्रोजेक्ट का संकेत

लोकप्रिय अभिनेत्री निबेदिता पाल ने अपने एक हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। उन्होंने अपने एक नए और दिलचस्प प्रोजेक्ट की झलक देते हुए संकेत दिया है कि वह अपने करियर के एक नए, दमदार और रोमांचक दौर में कदम रखने के लिए तैयार हैं। 2020 जैसे लोकप्रिय शोज में नजर आ चुकीं निबेदिता ने अपनी शानदार पर्सनैलिटी, प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस और डिजिटल दुनिया में बढ़ती लोकप्रियता के दम पर दर्शकों के बीच अपनी एक खास पहचान बनाई है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने अपनी एक मजबूत फैन फॉलोइंग तैयार की है, जो उनके प्रोफेशनल सफर को करीब से फॉलो करती है और उनके अगले कदम का बेसब्री से इंतजार करती है।

उनके आगामी प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता तब बढ़ गई, जब निबेदिता ने बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के लेटेस्ट 'ऑब्सेशन' प्रोमो को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीपोस्ट किया। अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए उन्होंने



लिखा, "कृति ने मुझे भी अपने ऑब्सेशन एरा के लिए आधिकारिक तौर पर उत्साहित कर दिया है! कुछ मजेदार, इंटेंस और बिल्कुल अनएक्सपेक्टेड होने वाला है। निबेदिता के इस दिलचस्प नोट ने उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर अटकलों का दौर शुरू कर दिया है। हालांकि, उन्होंने अभी तक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उनके 'ऑब्सेशन एरा' के जिक्र ने फैंस का ध्यान जरूर खींचा है। यह उनके करियर में एक नई दिशा और पर्दे पर एक अलग अंदाज की झलक होने का संकेत दे रहा है।

उनके इस हालिया सोशल मीडिया अपडेट के बाद दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि निबेदिता अपने अगले प्रोजेक्ट में क्या नया लेकर आने वाली हैं। चाहे वह कोई इंटेंस किरदार हो या फिर किसी अनोखी कहानी का हिस्सा, उनके आगामी प्रोजेक्ट ने अभी से फैंस के बीच चर्चा शुरू कर दी है।

इस रहस्य और उत्सुकता के बीच अब सभी की निगाहें निबेदिता पाल की अगली घोषणा पर टिकी हैं। उनके नए प्रोजेक्ट से जुड़ी अन्य जानकारियों का इंतजार है।

छठ पर्व के लिए प्रियंका सिंह का भजन रिलीज



लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों शुरू हो गई है। जहां शॉपिंग शुरू हो गई है तो वहीं भोजपुरी संगीत जगत में भक्ति और श्रद्धा से सराबोर नए छठ गीत आने शुरू हो गए हैं। इसी बीच छठ पर्व से पहले गीत 'छठी मईया बिनती हमार' रिलीज हो गया है। म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले रिलीज इस गीत को मशहूर गायिका प्रियंका सिंह ने अपनी मधुर आवाज दी है, जबकि अभिनेत्री माही श्रीवास्तव ने अपने भावपूर्ण अभिनय से गीत को जीवंत बनाया है। इसके निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। 'छठी मईया बिनती हमारश में छठ व्रत की पवित्रता, सूर्य देव की उपासना और छठी मईया के प्रति अटूट विश्वास को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है।

गीत में एक भक्त अपने परिवार की सुख–समृद्धि, संतान की लंबी उम्र, घर में खुशहाली और जीवन में सुख–शांति के लिए छठी मईया से विनती करता नजर आता है। घाट पर अर्घ्य देने की तैयारी, व्रतियों की आस्था और छठ के पारंपरिक रीति–रिवाज गीत के भाव को और गहरा बनाते हैं। माही श्रीवास्तव ने कहा, ष्छठी मईया का यह गीत मेरे लिए सिर्फ एक म्यूजिक वीडियो नहीं, बल्कि आस्था और भावनाओं से जुड़ा अनुभव है।

करीना व मीरा ने दिलचस्प किस्सों पर की बात



करीना कपूर और शाहिद कपूर अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा मे रहे थे। उनके ब्रेकअप के बाद से दोनों के बीच बातचीत बंद हो गई थी। लेकिन अब उनके बीच एक नॉर्मल रिलेशन हो गया है और उसका सबूत है को शाहिद कपूर की पत्नी मीरा कपूर, करीना के चौट शो व्हाट वूमेन वांट के नए एपिसोड में पहुंची हैं। गत 29 अक्टूबर को शो का प्रोमो आया जिसमें दोनों के बीच हुई मजेदार बातचीत की झलक देखने को मिली। इस एपिसोड में करीना और मीरा ने बॉलीवुड वाइफ होने के एक्सपीरियंस, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अजीबोगरीब अफवाहों और अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े कई दिलचस्प किस्सों पर खुलकर बात की। प्रोमो से साफ है कि ये एपिसोड हंसी–मजाक और दिलचस्प बातचीत से भरपूर होने वाला है। करीना कपूर ने मीरा राजपूत से कहा, मुझे लगता है कि हर कोई इस एपिसोड को लेकर काफी एक्साइटेड है।

बिग बॉस में कनिका मान ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में बताया

रियालिटी शो 'बिग बॉस 20' इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। शो के हालिया एपिसोड में कंटेस्टेंट कनिका मान ने अपने बेहद डरावने और टॉक्सिक रिलेशनशिप के बारे में बात करते दिखाई दीं। उन्होंने खुलासा किया कि वह इस रिश्ते में ऐसे फंसी थीं कि उन्हें हर पल डर लगा रहता था कि कहीं उनका टॉक्सिक बॉयफ्रेंड उनकी जान न ले ले।

कनिका ने बताया कि वह लड़का एक साइको की तरह उन पर नजर रखता था, बिना बताए उनके क्लासरूम तक पहुंच जाता था और हाथ तक उठा देता। इतना ही नहीं एक बार तो वो क्लासरूम में चाकू तक लेकर पहुंच गया था। कनिका की ये बातें सुनकर घर के बाकी कंटेस्टेंट्स भी हैरान रह गए। कनिका ने अपनी लव लाइफ की शुरुआत के बारे में बताते हुए कहा कि कॉलेज के फर्स्ट ईयर में उनका यह पहला बॉयफ्रेंड बना था। उन्होंने कहा कि वो ऐसी फैमिली से आती हैं, जहां लड़कियों को बहुत ज्यादा छूट नहीं मिलती है। कनिका ने कहा जब मैं कॉलेज आई और देखा कि देखा दूसरी लड़कियां देर रात तक अपने बॉयफ्रेंड्स से फोन पर बातें करती हैं, तो उनका भी दिल किया कि चलो मैं भी बॉयफ्रेंड बनाती हूं। इसी चक्कर में उन्होंने



फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया। कनिका ने बताया कि फेसबुक पर जो पहला लड़का उन्हें थोड़ा सा भी भाव देने लगा, उसी को उन्होंने अपना बॉयफ्रेंड बना लिया लेकिन आगे चलकर वही लड़का उनके लिए एक बड़ा सिरदर्द और साइको साबित हुआ। कनिका ने बताया कि उनका एक्स बॉयफ्रेंड पूरी तरह से साइको था और उन पर नजर रखता था। वह अचानक बिना बताए उनके क्लासरूम में घुस आता था। कनिका ने बताया कि एक दिन तो हद ही हो गई, जब मैने सिंगल स्ट्रैप वाली ड्रेस पहनी, तो उसने सिर्फ इसी बात पर उन्हें सबके सामने थप्पड़ जड़ दिया। कनिका ने उस वक्त नई–नई कान में पियर्सिंग करवाई थी, जिससे थप्पड़ लगते ही खून बहने लगा। हैरान करने वाली बात यह थी कि इतने लोगों के सामने मारपीट हुई, पर किसी ने बीच–बचाव नहीं किया। वह बात–बात पर कनिका के पिता को फोन लगाने की धमकी देता था। एक बार उसने कॉल किया भी, लेकिन किस्मत से पापा ने फोन नहीं उठाया। कनिका कहती हैं कि काश उस दिन उनके पिता फोन उठा लेते, तो वह इस नरक से पहले ही आजाद हो जातीं। कनिका ने बताया कि इस रिश्ते से बाहर निकलने में उनकी लॉ की पढ़ाई काम आई।

प्रधान संपादक
रूचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम

कार्पोरेट कार्यालय–
सेक्टर–सी0–1, सी0–25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0–226012
टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रूचिर सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू अनुग्राफिक्स, पार्क रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 279 कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0–0522–4010844

Mail us-
tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in,
tvindialive.com,
www.facebook.com/
tvindialive/
https://www.youtube.com@tvindialivedigi

